धनबाद
शनिवार 26.09.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-214 पृष्ठ- 12
भाद्रपद शुक्ल पक्ष-15
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

केंद्र सरकार ने ठुकराया पांच दिन कार्य सप्ताह का दावा

शनिवार छुट्टी पर सरकार-यूनियन आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस): बैंक कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही पांच दिन के कार्य-सप्ताह की मांग को लेकर केंद्र और बैंक यूनियनों के बीच मतभेद बढ़ गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि मंत्रालय ने बैंकों में प्रत्येक शनिवार की छुट्टी देने का कोई वादा नहीं किया था। यह बयान तब आया है जब बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग के समर्थन में २८ सितंबर से तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है।

बता दें कि बैंक यूनियनों का दावा है कि मार्च २०२४ के वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच शनिवार की छुट्टी को लेकर सहमति बनी थी। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) के महासचिव रूपम रॉय ने यह दावा किया था।

हालांकि, वित्त मंत्रालय के एक सूत्र ने दावों का खंडन कर कहा, हमारी ओर से बैंकों में पांच दिन काम करने का कोई वादा नहीं किया था।

यह बातचीत का मुद्दा नहीं था और इस पर न कोई समझौता हुआ था और न ही कोई चर्चा हुई थी। सूत्र ने बताया कि यह मांग कर्मचारी यूनियनों ने एकतरफा तरीके से रखी थी और इस पर दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई थी।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह के अलावा, वरिष्ठ बैंक अधिकारियों के लिए बदली गई परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम भी विवाद का एक प्रमुख मुद्दा है। वित्तीय सेवा विभाग ने १९ नवंबर २०२४ को नई पीएलआई स्कीम की जानकारी दी थी, जो वित्त वर्ष २०२६ से लागू होनी है। यह योजना स्केल-चौथे और उससे ऊपर के अधिकारियों पर लागू होती है, इसके तहत प्रदर्शन के आधार पर अधिकारी अधिकतम ३६५ दिनों की बेसिक सैलरी के बराबर इंसेंटिव हासिल कर सकते हैं। बैंक यूनियनों ने इस व्यवस्था का भी विरोध किया है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की २८ सितंबर से प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के मद्देनजर, केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार, २७ सितंबर को सामान्य कामकाज करने का निर्देश दिया है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि रिजर्व बैंक ने २७ सितंबर को सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम-लिंक शाखाओं को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। यूएफबीयू में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के सात प्रमुख संगठन शामिल हैं, जिसमें एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी प्रमुख है।

समुद्र में नाविकों की सुरक्षा पर भारत चिंतित

जयशंकर ने वैश्विक प्रणाली का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस): समुद्री मार्गों पर बढ़ते हमलों और नाविकों की मौत की घटनाओं पर भारत ने गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान लाइबेरिया के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर नई व्यवस्था बनाने की जरूरत है। उन्होंने लाइबेरिया के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' बनाने का प्रस्ताव भी रखा।

जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ समय में लाल सागर, काला सागर और होर्मुज क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हमले हुए हैं। उन्होंने हाल ही में ओमान की खाड़ी में एंटीगुआ और बारबुडा के झंडे वाले बल्क कैरियर 'एमवी केप दाओ' पर हुए हमले का जिक्र किया। इस हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हुई, जबकि जहाज पर सवार अन्य भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाला गया।

विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज से गुजर रहे एक अन्य टैंकर पर हमले के बाद एक भारतीय चालक दल का सदस्य लापता हुआ। उनके मुताबिक, ये घटनाएं अब इक्का-दुक्का नहीं रह गई हैं और खाड़ी, लाल सागर तथा काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई है।

जयशंकर ने कहा कि समुद्री व्यापार को निशाना बनाना और आम नागरिकों की जान को खतरे में डालना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे हमले रोकने के लिए एकजुट प्रयास करने की अपील की। उन्होंने बताया कि दुनिया के ८० प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार का आधार समुद्री मार्ग हैं, इसलिए सुरक्षित और निर्बाध नौवहन वैश्विक व्यापार के लिए जरूरी है।

7 विदेशियों को यूएस-यूक्रेन जाने की परमिशन

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने सात विदेशी नागरिकों को परिवार से मिलने के लिए विदेश जाने की परमिशन दी। इनमें अमेरिकी भाड़े के सैनिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और ६ यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। एनआईए कोर्ट ने सभी आरोपियों को अधिकतम एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की परमिशन दी है। इसके बाद उन्हें भारत लौटना होगा और वापसी के ७२ घंटे के भीतर कोर्ट को इसकी जानकारी देनी होगी। एनआईए ने मार्च २०२६ में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक समेत सात विदेशी नागरिकों को म्यांमार के ट्रेनिंग कैंप में उग्रवादियों को हथियार-ड्रोन की ट्रेनिंग देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर पायलट सस्पेंड

नई दिल्ली (ईएमएस): एअर इंडिया के पायलट को ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट से पहले अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर शुक्रवार को सस्पेंड कर दिया गया है। अंतिम मेडिकल रिपोर्ट और जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा। यह मामला ६ सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को पायलट से शराब की गंध आई। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी, जिसके बाद पायलट को विमान से उतार दिया गया। अल्कोहल टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद पायलट को टेकऑफ से कुछ समय पहले ज्यूरिख एयरपोर्ट पर विमान से उतार दिया गया था। यात्री की तरह उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था। स्विस फेडरल ऑफिस ऑफ सिविल एविएशन ने इस मामले की पुष्टि की है। पायलट पर स्विस नियमों के तहत कार्रवाई की गई।

ममता के करीबी पूर्व विधायक अजीत मैती गिरफ्तार, धोखाधड़ी का आरोप

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी के पूर्व विधायक अजीत मैती को शुक्रवार सुबह पुलिस ने उनके खड़गपुर स्थित आवास से गिरफ्तार किया। उन्हें धोखाधड़ी के गंभीर मामले में हिरासत में लिया गया है, जिसके बाद उन्हें डेबरा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। अजीत मैती को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है, और उनकी गिरफ्तारी से राज्य की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूर्व विधायक पर तृणमूल कार्यकर्ता गोबिंदा दास से पार्टी में पद दिलाने के बहाने मोटी रकम वसूलने का आरोप है।

चुनाव आयोग विवाद पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत बोले- बहुमत से होता है फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर जारी विवाद के बीच पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा है कि आयोग में फैसले बहुमत के आधार पर लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर दो चुनाव आयुक्त किसी मुद्दे पर एक राय रखते हैं, तो फैसला उसी राय के अनुरूप होगा।

दरअसल, हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सामने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से जुड़े मामलों में १० महीनों के दौरान कई बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ मामलों में दोनों चुनाव आयुक्तों की राय को नजरअंदाज किए जाने का दावा किया गया था। इसे लेकर चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठे।

इस विवाद पर ओपी रावत ने कहा कि अलग-अलग राय होना अपने आप में असामान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि तीनों आयुक्त साथ बैठकर गलतफहमियां दूर कर लें और यह स्पष्ट कर दें कि विवाद की वजह क्या थी, तो मामला जल्द खत्म हो सकता है। रावत के मुताबिक, आयोग में किसी निर्णय के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त के पास अलग से वीटो अधिकार नहीं होता और निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत के आधार पर लिया जाता है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 20 से ज्यादा घर बहे

चक्रवात से ओडिशा में भारी बारिश, 10 हजार लोग शिफ्ट; मप्र-बिहार और यूपी में अलर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में लगातार बारिश के कारण गुरुवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें २० से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर बह गए। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। बंगाल की खाड़ी से उठा अर्नब चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है। इसके कारण ओडिशा में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में निचले और लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले करीब १० हजार लोगों को २०० राहत केंद्रों में भेजा गया है। चक्रवात से ९ राज्य प्रभावित हैं।

अगले २४ घंटे में छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश हो सकती है। इन इलाकों में ५०-६० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गरज-चमक भी हो सकती है।

मध्य प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। जबलपुर समेत १३ जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, १६ जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। बिहार में आज १९ जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। हरियाणा में भी यमुनानगर, करनाल और पानीपत समेत ६ जिलों में बारिश होने की संभावना है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने 4 नगा लोगों की हत्या की

आरोपी म्यांमार से आए थे; बाजार बंद का ऐलान, इस साल अब तक 44 मौतें

कामजोंग (ईएमएस): मणिपुर के कामजोंग जिले में चार नगा लोगों की हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों ने हत्या का आरोप कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा के उग्रवादियों पर लगाया है। पुलिस के मुताबिक, हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पिलोंग नगा गांव में ग्रामीणों पर गोलीबारी की थी। पिलोंग नगा गांव कामजोंग जिला मुख्यालय से करीब ३५ किलोमीटर दूर है। मृतकों की पहचान फामी जाजो, निंगथेम कसाक, बेटरसन जाजो और वरेइशिम जाजो के रूप में हुई है। इनमें वरेइशिम जाजो और फामी जाजो पिता-पुत्र थे। चारों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए कामजोंग जिला मुख्यालय लाए गए हैं। घटना के बाद तांगखुल नागा लॉन्ग ने हत्याओं की निंदा करते हुए शुक्रवार सुबह ७ बजे से २४ घंटे के आपातकालीन बंद का ऐलान किया। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी में शुरू हुई हिंसा के बाद इस साल अब तक ४४ लोगों की मौत हो चुकी है।

मणिपुर में छह महीने के लिए फिर बढ़ा अफस्पा, 13 थाना क्षेत्रों को रखा गया बाहर

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने मणिपुर के ज्यादातर हिस्से को एक बार फिर 'अशांत क्षेत्र' घोषित करते हुए सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम यानी अफस्पा को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक नया आदेश १ अक्टूबर २०२६ से प्रभावी होगा और ३१ मार्च २०२७ तक लागू रहेगा, जब तक इसे इससे पहले वापस नहीं लिया जाता।

अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर के पूरे राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित किया गया है, लेकिन पांच जिलों के १३ थाना क्षेत्रों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें इंफाल पश्चिम के इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, पटसोई और वांगोई; इंफाल पूर्व के पोरोमपत, हेइंगांग और इरिलबुंग; थौबल जिले का थौबल; बिष्णुपुर जिले के बिष्णुपुर और नांबोल तथा काकचिंग जिले का काकचिंग थाना क्षेत्र शामिल है। गृह मंत्रालय ने यह फैसला राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया है। अफस्पा के तहत अशांत क्षेत्र घोषित इलाकों में सशस्त्र बलों को कुछ विशेष अधिकार मिलते हैं।

32 साल बाद गिरफ्तार हुआ दो साध्वियों की हत्या का आरोपी, मंगोलपुरी की फैक्ट्री से पकड़ा गया

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने १९९४ में दो साध्वियों की हत्या और आश्रम में डकैती के मामले में करीब ३२ साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी ललित के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे दिल्ली के मंगोलपुरी फेज-२ स्थित एक फैक्ट्री से पकड़ा, जहां वह पैकेजिंग मजदूर के तौर पर काम कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष १९९४ में शकरपुर थाना क्षेत्र स्थित एक आध्यात्मिक आश्रम में दो साध्वियों की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि वारदात के बाद बदमाश आश्रम से नकदी, गहने और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए थे।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान

न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ़ (ईएमएस): पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं।

कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह २०२१ में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है।

पश्चिम बंगाल के एंटी-गुंडा बिल को राष्ट्रपति ने लौटाया, कानून पर केंद्र को असहमति

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की सुवेंदु सरकार के महत्वाकांक्षी 'वेस्ट बंगाल पब्लिक सेफ्टी एंड कंट्रोल ऑफ एंटी-सोशल गतिविधि बिल' को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। इस विधेयक को वापस राज्य सरकार को भेजकर फिर विचार करने और आवश्यक बदलाव को कहा गया है। जून २०२६ में विधानसभा में पेश किए गए विधेयक का उद्देश्य असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना और इसतरह के मामलों में निवारक कार्रवाई की व्यवस्था करना था। यह कदम राज्य सरकार के लिए एक झटका माना जा रहा है, हालांकि इस कानून को अंतिम रूप से समाप्त नहीं माना जा रहा। केंद्र सरकार की प्रमुख आपत्ति विधेयक के उस प्रावधान पर है जिसमें नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों को 'गुंडा' की परिभाषा में शामिल किया।

मिलन प्रधान को हाईकोर्ट से झटका

गिरफ्तारी से राहत वाला आदेश खारिज

कोलकाता (ईएमएस): कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (खंडपीठ) ने शुक्रवार को कांग्रेस के नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी मिलन प्रधान को २००७ के एक आपराधिक मामले में मिली राहत खत्म कर दी। मुख्य न्यायाधीश रवींद्र विठ्ठलराव घुगे की अध्यक्षता वाली पीठ ने सिंगल बेंच (एकल पीठ) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें पुलिस को १२ अक्तूबर तक प्रधान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया था। पीठ में न्यायमूर्ति ओम नारायण राय भी शामिल थे।

अदालत ने कहा कि आपराधिक कानून में किसी आरोपी को इस तरह की अंतरिम सुरक्षा देने का कोई प्रावधान नहीं है। पीठ ने कहा कि अगर किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है तो वह जमानत मांग सकता है। वहीं, गिरफ्तारी की आशंका होने पर आरोपी अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख कर सकता है। डिवीजन बेंच ने यह भी कहा कि कानून सभी के लिए समान है। चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के मामले में अलग तरीके से विचार नहीं किया जा सकता। सिंगल बेंच का आदेश रद्द होने के बाद कांथी एसीजेएम अदालत की ओर से प्रधान को ७ अक्तूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश प्रभावी रहेगा।

यूपी में अब तमंचों की जगह बन रही आधुनिक ब्रह्मोस मिसाइल : अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस): ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में चौथे उत्तरप्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में आए क्रांतिकारी बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब तमंचों की फैक्ट्री से बदलकर ब्रह्मोस मिसाइलें बनाने वाले प्रदेश बना है, जो देश के विकास का इंजन बन रहा है। केंद्रीय मंत्री शाह ने प्रदेश में निवेश, उत्पादन और रोजगार के तेजी से मजबूत हुए माहौल की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आर्थिक नीतियों का स्मरण कर कहा कि उनके विचारों से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने मेक इन इंडिया अभियान को याद कर बताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों से भारत अब उत्पादन और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अपनी विकास दर बनाए रखी है। उन्होंने यूपीआईटीएस को उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर का प्रमाण बताकर उम्मीद जाहिर कि प्रदेश जल्द ही एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करेगा।

शाह ने २०१७ से पहले यूपी की खराब कानून-व्यवस्था और माफिया के प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने अपराध और माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। इस बदलाव का उदाहरण देकर उन्होंने कहा, जिन स्थानों पर पहले वाहन चोरी होती थी, वहां अब वाहन निर्माण हो रहा है और चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों के लिए बदनाम इलाकों में मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी औद्योगिक परियोजनाएं विकसित हो रही हैं। उन्होंने आगरा, अलीगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से रक्षा उत्पादन में प्रदेश के बढ़ते योगदान को भी रेखांकित किया, बताया कि भारत ८० देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है।

शाह ने कहा कि योगी सरकार की नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रदेश में निवेश बढ़ा है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। अब यूपी के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ता। उन्होंने नोएडा-ग्रेटर नोएडा के एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की सराहना की।

संपादकीय | पंजाब और दिल्ली विवि के छात्र संघ चुनाव परिणाम

जंतर-मंतर पर 'जेन-जी' आंदोलन और उसके दबाव में नरेंद्र मोदी सरकार से पहली बार किसी मंत्री के इस्तीफे से बदलते राजनीतिक परिदृश्य में पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के छात्र संघ चुनाव परिणाम चौंकानेवाले हैं. ऑनलाइन बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर आंदोलन शिक्षा-परीक्षा व्यवस्था के विरुद्ध छात्र-युवा आक्रोश का प्रतीक बन गया था. देर से ही सही, मोदी सरकार ने उसके दबाव में झुकना बेहतर समझा.

न सिर्फ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ, बल्कि आत्महत्या करनेवाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांगें मानने की घोषणा भी दो मंत्रियों ने सीजेपी प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में की. बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने आधी रात इंस्टाग्राम पर वीडियो के जरिये 'जेन-जी' से उन्हीं की भाषा में संवाद की कोशिश की,

लेकिन संदेश सरकार और भाजपा का आत्मविश्वास हिल जाने का ही गया. इस परिदृश्य से विपक्षी दलों का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच जाना स्वाभाविक ही था. जो काम विपक्ष 12 साल में नहीं कर पाया, वह सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी के प्रतिक्रियास्वरूप बनी सीजेपी ने चंद महीनों में कर दिखाया.

जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान कुछ विपक्षी दलों की सीजेपी से नजदीकियां साफ दिखीं. जंतर-मंतर के बाद सीजेपी देश भर में स्कूलों के

निरीक्षण की मुहिम चला रही है तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम चला रहे हैं. जंतर-मंतर के बाद हुए तीन विधानसभा उपचुनावों में से दो में भाजपा की हार को भी अन्य कारकों के साथ ही 'जेन-जी' असंतोष से भी जोड़ कर देखा-दिखाया गया.

ऐसे में अगले साल सात राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और उसके विरोधी दलों के मनोबल का अंदाजा लगा पाना मुश्किल नहीं होना चाहिए था, पर पीयू और डीयू के छात्र संघ चुनाव परिणामों ने राजनीतिक पंडितों को फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है. तकनीकी तौर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध है, पर भाजपा से उसके रिश्ते छिपे नहीं हैं. इसीलिए पहले पीयू और फिर डीयू में भी एबीवीपी की जीत पर बधाई देने, जेन-जी में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता बताने और विपक्ष को नसीहत देने की भाजपा नेताओं में होड़-सी लग गई. पंजाब विश्वविद्यालय में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के छात्र ज्यादा पढ़ते हैं. स्वाभाविक ही सबसे ज्यादा दबदबा पंजाब के छात्रों का रहता है. इसीलिए पंजाब में सत्तारूढ़ आप ने युवा सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर को पीयू चुनाव का प्रभारी बनाया, लेकिन वह एबीवीपी को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद जीतने से नहीं रोक पाए.पीयू के बाद हुए डीयू छात्र संघ चुनाव के परिणाम तो और भी चौंकानेवाले हैं. बेशक एनएसयूआई उम्मीदवारों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन एबीवीपी अध्यक्ष समेत तीन पद जीतने में सफल हो गई. एक दशक में पहली बार एनएसयूआई का खाता तक नहीं खुला. जंतर-मंतर के बाद शिक्षा-परीक्षा व्यवस्था की खामियों के चलते जिस भाजपा को 'जेन-जी' के निशाने पर माना जा रहा था, उसी के द्वारा समर्थित एबीवीपी की दिल्ली विश्वविद्यालय में ऐसी जीत साधारण घटना तो हरगिज नहीं है. डीयू से संबद्ध कॉलेजों के छात्र संघ चुनाव में भी एबीवीपी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा. सिर्फ डेढ़ महीने में 'जेन-जी' का मन या उसकी बाबत चल रहा नैरेटिव कैसे बदल गया - इसे समझने की कोशिश की जानी चाहिए. पीयू और डीयू में हार-जीत पर राजनीतिक दल-नेता तो राजनीति ही करेंगे, पर शह-मात के खेल में छात्र-युवाओं से जुड़े अहम मुद्दे दरकिनार नहीं होने चाहिए. महंगी शिक्षा, संदिग्ध परीक्षा प्रणाली तथा पीजी और कोचिंग माफिया पर अंकुश बिना भारत का भविष्य बेहतर नहीं बन पाएगा.

नशे को चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय एकजुटता से खात्मा करें

विवेक शुक्ला

कुछ ही महीनों के बाद पंजाब विधानसभा के चुनाव होने हैं. इस बार भी पंजाब का चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ने की कवायद शुरू हो गई है. जो पार्टी इस समय सत्ता में है, वह भी पिछली बार पंजाब में छह माह के भीतर नशे का कारोबार एकदम खत्म करने के वायदे के साथ ही लोगों के पास गई थी, अब पांच साल बाद भी नशे में डूबे पंजाब के लिए राजनीतिक और विदेशी कारणों की रट लगा रही है. क्या देश में फैला नशे का कारोबार केवल राजनीतिक मुद्दा है और क्या यह केवल पंजाब की समस्या है? कदापि नहीं. नशा का कारोबार पूरी दुनिया की समस्या है और हमारे लिए एक राष्ट्रीय आपदा है. गृह मंत्री अमित शाह ने 2019 में ही ड्रग्स के नेटवर्क से निपटने के लिए एक समन्वित अभियान की रूपरेखा तय कर दी थी. वर्ष 2029 तक भारत को नशा-मुक्त देश बनाने का संकल्प लिया गया है. इसी साल जून में गृह मंत्री ने ड्रग नियंत्रण 2026-2029 पर एक विजन डॉक्युमेंट भी जारी किया, जिसमें अगले तीन साल का स्पष्ट रोडमैप तैयार है. ड्रग्स के खिलाफ इस राष्ट्रीय मुहिम में खुफिया जानकारी और उसके आधार पर ऑपरेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है. प्रीकर्सर और सिंथेटिक ड्रग के पूर्ण खात्मे या उसकी आपूर्ति पर पूर्ण रोक का लक्ष्य तय कर काम शुरू कर दिया गया है. ड्रग्स के इस कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए अमित शाह ने थ्री डी का फार्मूला तय किया है, डिटेक्ट यानी ड्रग्स का पता लगाना, डिसप्ट यानी उसको लोगों तक आने से रोकना और डिस्ट्रॉय यानी उसे पूरी तरह नष्ट कर देना. चूंकि नशे के अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से पार पाने की यह लड़ाई है, इसलिए तैयारी भी उसी के अनुरूप की गई है. बात पंजाब की करें तो मोदी सरकार ने यहां के ड्रग्स संकट को चुनाव से परे जाकर देखा है. सबसे ज्यादा प्रभावित पंजाब के छह जिलों - अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, लुधियाना, फिरोजपुर और फाजिल्का - को अति-संवेदनशील ड्रग जोन के रूप में वर्गीकृत किया गया है. इनमें से पांच जिले तो पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे हैं और यहां सीमा-पार से तस्करी ड्रोन से होने के तमाम सबूत हैं. गृह मंत्रालय ने मार्च 2027 तक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड सर्विलांस सिस्टम लगाने का लक्ष्य तय कर रखा है. यही नहीं, पंजाब में नार्को-टेररिज्म से जुड़े लगभग 100 भगोड़ों की पहचान कर ली गई है और उन पर कार्रवाई की जा रही है. पंजाब ही नहीं, पूरे देश में 100 से ज्यादा बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क चल रहे थे, उनको भी खत्म करने का ऑपरेशन चल रहा है. और इसमें सफलता भी मिली है. एजेंसियों ने 2019 और जुलाई 2026 के बीच, लगभग 1.53 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 93.3 लाख किलोग्राम से अधिक नशीले और साइकोट्रोपिक पदार्थ जब्त किए हैं. एजेंसियों ने विदेश से अपराधियों को वापस लाने की कार्रवाई तेज कर दी है. देश के अंदर भी छापेमारी और बड़े ड्रग सिंडिकेट के सदस्यों की गिरफ्तारियां हो रही हैं. अकेले 2024 में 25,330 करोड़ की ड्रग्स जब्त की गई. हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों में वीरेंद्र सिंह बसोया का भी नाम शामिल है जिसे इसी साल अगस्त में यूएई से पकड़ कर लाया गया. ऑपरेशन ग्लोबल-हंट के तहत मोहम्मद सलीम डोला को तुर्की से भारत लाया गया. राजस्थान में छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया.

आज का कार्टून

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

> साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो।

ललित गर्ग

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी।

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है।

सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सड़क के दबाव से न हो।

आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां बार-बार पैदा ही क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अब इस चक्र से आगे बढ़कर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अनुशासन भी हो, न्याय भी, उत्कृष्टता भी हो और मानवीयता भी। तभी हम विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के अपने संकल्प को वास्तविक अर्थ दे सकेंगे।

कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है...

> एर्दोगन को कश्मीर पर उपदेश देने से पहले अपने आसपास के विवादों की ओर देखना चाहिए। दुनिया के किसी भी देश को संवाद, संप्रभुता और शांतिपूर्ण समाधान की सीख देने का नैतिक आधार तभी मजबूत होता है, जब वही कसौटी अपने व्यवहार पर भी लागू की जाए। भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि कश्मीर पर बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा और तुर्किये की ऐसी हिमाकत का जवाब कूटनीतिक स्तर पर भी दिया जाएगा और रणनीतिक स्तर पर भी।

नीरज कुमार दुबे

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने एक बार फिर कश्मीर का राग छेड़कर भारत के आंतरिक और द्विपक्षीय विषय में दखल देने की कोशिश की है। एर्दोगन ने कहा कि दक्षिण एशिया में कश्मीर सहित सभी विवादों का समाधान संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र और संबंधित प्रस्तावों के दायरे में बातचीत के जरिए होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौता हो चुका है।

लेकिन सवाल यह है कि कश्मीर पर नसीहत देने वाले एर्दोगन क्या पहले अपने पड़ोस में शांति और सीमा विवादों का समाधान करेंगे? उल्लेखनीय है कि तुर्किये के अपने पड़ोसियों के साथ कई पुराने और गंभीर क्षेत्रीय विवाद हैं। यूनान के साथ एजियन सागर और पूर्वी भूमध्यसागर में समुद्री सीमाओं, महाद्वीपीय पट्टी और विशेष आर्थिक क्षेत्र को लेकर लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। तुर्किये और साइप्रस के बीच विवाद तो 1974 के बाद से आज तक कायम है और संयुक्त राष्ट्र शांति व्यवस्था के बावजूद द्वीप विभाजित है। यही नहीं, पूर्वी भूमध्यसागर में ऊर्जा संसाधनों को लेकर भी अंकारा का यूनान और साइप्रस के साथ टकराव रहा है। साथ ही तुर्किये ने उन समुद्री क्षेत्रों में ऊर्जा खोज गतिविधियां की हैं, जिन पर यूनान और साइप्रस अधिकार का दावा करते हैं। इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में सैन्य तनाव तक पैदा हुआ है।

साइप्रस का सवाल इससे भी ज्यादा संवेदनशील है। तुर्की सेना ने 1974 में साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर कब्जा किया था और आज भी द्वीप का विभाजन कायम है। संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर इस विवाद के समाधान की कोशिशें दशकों से चल रही हैं। ऐसे में एर्दोगन अगर दुनिया को सीमा विवादों और संवाद का पाठ पढ़ाते हैं, तो स्वाभाविक सवाल उठता है कि क्या वही सिद्धांत तुर्किये अपने पड़ोस में भी उतनी ही गंभीरता से लागू करेगा?

यही वजह है कि एर्दोगन की कश्मीर पर टिप्पणी भारत के लिए केवल एक बयान नहीं, बल्कि कूटनीतिक दखल के रूप में देखी जा रही है। जबकि भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। साथ ही भारत-पाकिस्तान से जुड़े विषयों पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं है। पिछले वर्ष भी एर्दोगन की ऐसी टिप्पणी पर भारत ने स्पष्ट किया था कि कश्मीर पर उसका रुख नहीं बदला है और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई जरूरत नहीं है।

इस बार भी नई दिल्ली ने एर्दोगन की टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया है। भारत का संदेश साफ है कि कश्मीर पर बातचीत भारत और पाकिस्तान के बीच ही हो सकती है और आतंकवाद तथा हिंसा के माहौल में संवाद की शर्तें भी भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है।

दूसरी ओर, एर्दोगन की यह सक्रियता तुर्किये और पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक नजदीकी की पृष्ठभूमि में भी देखी जा रही है। अगस्त में तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके साथ ही 2025 के भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के दौरान अंकारा का पाकिस्तान के प्रति समर्थन भी भारत-तुर्किये संबंधों में तनाव का बड़ा कारण बना। भारत ने उस दौरान तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को मिले समर्थन और सैन्य सहायता पर अपनी चिंता स्पष्ट रूप से दर्ज कराई थी। इसका असर सिर्फ कूटनीतिक रिश्तों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी दिखाई दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तुर्किये की ओर से मिले समर्थन को देखते हुए भारत में तुर्किये के सामान के बहिष्कार की व्यापक मुहिम चली। दिल्ली की आजादपुर मंडी ने तुर्किये से सेब और अन्य फल-सब्जियों के आयात रोक दिये। साथ ही अन्य राज्यों के बाजारों में भी तुर्किये के सेब का बहिष्कार हुआ। महाराष्ट्र के पुणे में भी कारोबारियों ने तुर्किये के सेब खरीदना बंद कर दिया और स्थानीय तथा दूसरे देशों के विकल्पों की ओर रुख किया। उस समय रिपोर्टों में सिर्फ पुणे के बाजार में ही तुर्किये के सेब के कारोबार का मौसमी मूल्य लगभग 1,000 से 1,200 करोड़ रुपये तक बताया गया था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि तुर्किये के मात्र सेब खरीदना बंद कर ही उसे कितना नुकसान पहुँचाया गया था। यही नहीं, व्यापक व्यापार के स्तर पर भी दोनों देशों के बीच कारोबार में काफी गिरावट दर्ज की गयी है। इस तरह अंकारा के पाकिस्तान-समर्थक रुख की भारत में केवल राजनीतिक आलोचना नहीं हुई, बल्कि उसका असर व्यापार, पर्यटन और तुर्किये के उत्पादों की भारतीय मांग पर भी पड़ा।

उधर, भारत की ओर से तुर्किये की नापाक नीतियों का जवाब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं दिखता। नई दिल्ली ने तुर्किये के क्षेत्रीय रुख को देखते हुए यूनान और साइप्रस के साथ अपने रणनीतिक तथा समुद्री सहयोग को भी महत्व दिया है। संदेश साफ है। अगर अंकारा पाकिस्तान के साथ खड़े होकर भारत के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चा खोलता है, तो भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय साझेदारियों के आधार पर जवाब देगा।

बहरहाल, एर्दोगन को कश्मीर पर उपदेश देने से पहले अपने आसपास के विवादों की ओर देखना चाहिए। दुनिया के किसी भी देश को संवाद, संप्रभुता और शांतिपूर्ण समाधान की सीख देने का नैतिक आधार तभी मजबूत होता है, जब वही कसौटी अपने व्यवहार पर भी लागू की जाए। भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि कश्मीर पर बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा और तुर्किये की ऐसी हिमाकत का जवाब कूटनीतिक स्तर पर भी दिया जाएगा और रणनीतिक स्तर पर भी।

एनजीटी नियमों की जांच में हंगामा

तोपचांची (ससे) : धनबाद के तोपचांची प्रखंड के कालाझार में पत्थर क्रशर और खदान से जुड़े मामले की जांच करने पहुंची प्रशासनिक टीम के सामने हंगामा हो गया। जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी ने आरोप लगाया है कि क्रशर संचालक और उसके सहयोगियों ने उन्हें तथा गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी को डरानेधमकाने का प्रयास किया, जिसके बाद उन्हें मौके से लौटना पड़ा। दरअसल, मामला कतरी नदी पर कथित अवैध पुल निर्माण और पत्थर खदान में एनजीटी के पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन की शिकायत से जुड़ा है।

इस संबंध में जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी ने लिखित शिकायत की थी, जिसके बाद प्रशासन की ओर से जांच कमिटी गठित की गई। जांच टीम मौके पर पहुंची। टीम में डीएमओ राकेश तिग्गा, तोपचांची सीओ नुपुर कुमारी समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। शिकायतकर्ता होने के साथ-साथ जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी भी जांच कमिटी की सदस्य के रूप में मौके पर मौजूद थीं। आरोप है कि टीम के पहुंचते ही क्रशर संचालक और उसके कुछ सहयोगियों ने सरिता देवी और सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी से कथित तौर पर बहस शुरू कर दी और उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया। देखते ही देखते मौके का माहौल तनावपूर्ण हो गया और जांच की कार्रवाई प्रभावित हुई।

सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि जिस शिकायत की जांच के लिए प्रशासन ने कमिटी बनाई, उसी शिकायतकर्ता को जांच स्थल से लौटना क्यों पड़ा? हालांकि, पूरे मामले में संबंधित पक्ष का पक्ष सामने आना भी जरूरी है।

मामले का दूसरा और बड़ा पहलू कतरी नदी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा है। आरोप है कि नदी में ओबी पत्थर और सीमेंट पाइप डालकर कथित तौर पर पुल का निर्माण किया गया है। यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह पर्यावरणीय नियमों और नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कतरी नदी सिर्फ पानी की धारा नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों और बड़ी आबादी के लिए जीवन और आजीविका से जुड़ा प्राकृतिक संसाधन है। नदी पर निर्भर जलीय जीवजंतु और पूरा पारिस्थितिक तंत्र भी इससे जुड़ा है। ऐसे में सवाल केवल एक कथित अवैध पुल या क्रशर का नहीं, बल्कि नदी, पर्यावरण और नियमों की निगरानी व्यवस्था का भी है। अब देखना होगा कि प्रशासनिक जांच में क्या सामने आता है और कथित निर्माण तथा एनजीटी नियमों के उल्लंघन को लेकर जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई होती है।

युवक ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

पुटकी (ससे) : भागाबांध ओपी क्षेत्र के भागाबांध बस्ती में निमाई प्रमाणिक (२२) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि निमाई ने अपने घर के कमरे में पंखे के सहारे गमछे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

सुबह परिजनों की नजर पड़ने पर उसे तत्काल फंदे से उतारकर डाक्टर से जांच करवाई गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना मिलने पर भागाबांध पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कैंजे में लेकर पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनों को सौप दिया। मृतक के पिता संजय ठाकुर मजदूरी का काम करता है। मृतक दो भाइयो में बड़ा था। उसको दो बहन भी है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

2 वारंटियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी के नेतृत्व में कांड संख्या १०/२६ के फरार वारंटी गोभूडीह बस्ती निवासी जयराम महतो और धोबनी बस्ती निवासी मंजित कुमारी महतो के आवास पर और सर्वजनिक स्थलों पर ढोल नगाड़ा बजावा कर इश्तिहार चश्पा किया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मुनीडीह ओपी क्षेत्र में अपराधियों के द्वारा कार सवार बीसीसीएल कर्मी किशोर कुमार महतो का अपहरण कर उसके साथ बेरहमी से मारपीट और लूटपाट की गयी थी।

मामले में मुनीडीह ओपी पुलिस ने २६ जनवरी की शाम को कांड संख्या१०/२०२६ में मंजीत कुमार महतो (धोबनी) और जयराम महतो (गरभुडीह बस्ती) समेत अन्य तीन युवक के खिलाफ अपहरण, मारपीट, छिनतई आदि के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।. मामले में पीड़ित पुटकी थाना क्षेत्र के अरलगड़िया बस्ती निवासी किशोर कुमार महतो ने दर्ज प्राथमिकी में कहा कि २४ जनवरी की रात करीब ८:२० बजे वह अपनी ब्रेजा कार (संख्या जेएच१० एसी-३०५३) से मुनीडीह जा रहे थे। इसी दौरान धोबनी पुल के पास पीछे से एक मोटरसाइकिल ने कार में पीछे से टक्कर मार दी थी। कार से उतरकर बात करने के दौरान अपाची मोटरसाइकिल (संख्या जेएच०१ एफजी२१३४) से उतरे मंजीत कुमार महतो ने गालीमलौज करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी. कुछ ही देर में अन्य मोटरसाइकिलों से तीन और युवक मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि सभी आरोपियों ने किशोर को जबरन कार की पिछली सीट पर बैठा दिया। इसके बाद पीड़िता के कार को जयराम महतो चलाते हुए उसे डीएवी मुनीडीह मैदान ले गया था। वहां पहुंचते ही मंजीत, जयराम के अलावे अन्य तीन कुल पांचों आरोपियों ने लातघूंसे से जमकर पिटाई की। मारपीट के दौरान ४३५० रुपये नकद तथा सोने की चेन छीन ली गई थी। पीड़ित के अनुसार, आरोपी उसे भटिंडा ले जाकर जान से मारने और शव को फॉल में फेंक देने की धमकी भी दे रहे थे। लगातार पिटाई से किशोर बेहोश होकर गिर पड़ा था। उसे मृत समझकर सभी आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए।

होश में आने के बाद किसी तरह किशोर ने कार का गेट खोलकर मोबाइल फोन से अपने बेटे को घटना की जानकारी दी थी। इश्तिहार चश्पा में एएसआई बिपिन बिहारी महतो, महिला आरक्षी हीरा देवी आदि शामिल थे।

नालसा का जागरूकता शिविर

धनबाद (कासं) : नालसा एवं झालसा के तत्वावधान मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के आदेश पर पूर्वी टुंडी के मैरनवाटांड पंचायत भवन में डालसा धनबाद द्वारा ६० दिवसीय नालसा मेगा ड्राइव फेज१ के तहत मेलाप्रदर्शनी, नुक्कड़नाटक के माध्यम से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इसकी जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि पूर्वी टुंडी प्रखंड के मैरानवाटाड पंचायत भवन में नालसा मेगा ड्राइव अवेयरनेस कैंपेन के तहत ६० दिनों में पंचायत के सभी ६ गांव को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें चौथे दिन मैरानवाटाड पंचायत भवन में डालसा के माध्यम से घरेलू हिंसा, बाल विवाह तथा नशा के खिलाफ नुक्कड़ नाटक और जागरूकता गीत का भी प्रस्तुत किया तथा ६० दिनों तक डोर टू डोर कैंपिंग में चिन्हित किए गए लाभुकों के बीच जन्म प्रमाण पत्र १०, कृषि से केसीसी ७ सेंशन लेटर (५लाख) का, जेएसएलपीएस से दीदियों को १७ लाख का चेक, दिव्यांगों को २ व्हीलचेयर २ कान के मशीन, शिक्षा विभाग से २० साइकिल का वितरण तथा जिला समाज कल्याण से आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा दोदो लाभुकों को गोदभराई की रश्म तथा पोषण आहार सामग्रियों का वितरण, शिविर के माध्यम से परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया।

धनबाद कांग्रेस के संगठनात्मक प्रखंडों का पुनर्गठन

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने संगठन को मजबूत एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बाघमारा प्रखंड जिसमे कुल ६१ पंचायत हैं इसको तीन भाग में विभाजित कर राधानगर और राजगंज प्रखंड बनाने कि स्वीकृति के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस को भेजा था। भेजे गए संगठनात्मक प्रखंडों के पुनर्गठन प्रस्ताव को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने मंजूरी दे दी है। स्वीकृति के बाद बाघमारा प्रखंड में अब २२ पंचायत होगें। राधानगर प्रखंड में २१ पंचायत होंगे और राजगंज प्रखंड में १८ पंचायत होंगें।

इसी तरह गोविंदपुर प्रखंड में कुल ३९ पंचायत थे। इसलिए इसको दो भाग में विभाजित किया गया है। गोविंदपुर पूर्वी में २० पंचायत और गोविंदपुर पश्चिम में १९ पंचायत होंगे। धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा जिला में ये दो प्रखंड जिसमें बाघमारा में ६१ पंचायत होने के कारण संगठनात्मक काम ग्रामीण क्षेत्र में मजबूती से नहीं हो पाता था इसलिए दो प्रखंड को विभाजित कर तीन नये प्रखंड का सृजन किया गया है। अब इन प्रखंडों में सक्रिय एवं समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रखंड अध्यक्ष के रूप में प्रस्तावित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भेजे गए संगठनात्मक प्रखंडों के पुनर्गठन के प्रस्ताव को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू के अनुमोदन के बाद जिले में नए संगठनात्मक प्रखंडों का गठन किया गया है।

वंदे मातरम की वर्षगांठ मनायी गयी

धनबाद (कासं) : वंदे मातरम की १५०वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर अशोक नगर धनसार धनबाद में लगभग ३३५० भैया बहनों ने राष्ट्र गीत गाया। यह कार्यक्रम विद्यालय के चार सभागारों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर संपन्न हुआ। राष्ट्रगीत गायन के पहले भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन किया गया तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने राष्ट्रगीत से जुड़ी कई प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल राष्ट्र गीत ही नहीं, यह भारत की आत्मा है। वंदे मातरम केवल कुछ शब्दों का समूह या एक गीत नहीं है अपितु यह हमारे देश की मिट्टी की सुगंध, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और हर हिंदुस्तानी के दिल की धड़कन है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिक्षण संस्था विद्या भारती, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रगीत का गायन देश के लगभग हजारों विद्या मंदिरों में कराया गया।

इसी क्रम में विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के विद्या मंदिरों में भी यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। बताते चलें कि बिहार एवं झारखंड इन दो राज्यों को ही उत्तर पूर्व क्षेत्र कहा जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार, विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, अवकाश प्राप्त प्राचार्य शिव बालक सिंह समेत सभी प्रभारी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं वंदे मातरम गीत गायन के साक्षी बने।

जनता दरबार का आयोजन

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित मामलों के त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने, आरटीई एक्ट के तहत नामांकन करने, अवैध निर्माण करने, झूठी प्राथमिक दर्ज करने सहित अन्य मामले आए। जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बलियापुर में जलापूर्ति ठप, सड़क पर उतरे ग्रामीण

बलियापुर (ससे) : हर घर जल योजना के फेज२ के तहत बलियापुर प्रखंड की १२ पंचायतों के २७ गांवों में जलापूर्ति ठप होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। लंबे समय से पानी की आपूर्ति बाधित रहने से नाराज ग्रामीण सड़क पर उतर आए। कई पंचायतों के मुखियाओं के साथ ग्रामीणों ने सड़क जाम कर अपना विरोध जताया और जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि हर घर तक नल से पानी पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई योजना से लोगों को उम्मीद थी कि पेयजल की समस्या दूर होगी। लेकिन जलापूर्ति बंद होने के कारण अब लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर दूरदराज के गांवों में स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है। सड़क जाम के दौरान ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जलापूर्ति तत्काल बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि केवल पाइपलाइन बिछा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द जलापूर्ति शुरू नहीं की गई तो आंदोलन को आगे भी जारी रखा जा सकता है। उनका कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए ग्रामीणों को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों और मुखियाओं ने ग्रामीणों की मांग का समर्थन किया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर जलापूर्ति व्यवस्था जल्द दुरुस्त करने की मांग की। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि योजना का लाभ तभी सार्थक होगा, जब सभी प्रभावित गांवों में नियमित रूप से पानी पहुंचे। जलापूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। अब देखना होगा कि विभाग की ओर से इस समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

सेल व बीसीसीएल के बीच कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने को ले समझौता

धनबाद (कासं) : सेल और बीसीसीएल ने पश्चिम बंगाल में सेल के इंडिकट्टा रामनगोर कोयला ब्लॉक और बीसीसीएल के ईस्ट ऑफ दामागोरिया (कल्याणेश्वरी) कोयला ब्लॉक के संयुक्त विकास और संचालन के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

दोनों ब्लॉकों की संयुक्त पीक रेटेड क्षमता ४.० मिलियन टन प्रति वर्ष है, और फेज१ में लगभग ७९ मिलियन टन निष्कर्षणीय भंडार का अनुमान लगाया गया है। प्रस्तावित एकीकृत खनन व्यवस्था के तहत समन्वित खनन और ओवरबर्डन प्रबंधन शामिल है, जिसमें कल्याणेश्वरी ब्लॉक में खनन और रामनगर ब्लॉक में डंपिंग की जाएगी, तथा फेज२ में इसके विपरीत क्रम अपनाया जाएगा।

यह समझौता ज्ञापन कोयला संसाधनों के एकीकृत उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन को बढ़ावा देगा और भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप भारतीय इस्पात उद्योग के लिए कच्चे माल की उपलब्धता को सुनिश्चित करेगा।

एनएचएम के विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए स्किल टेस्ट संपन्न

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न संविदा आधारित पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों के स्किल टेस्ट का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा हॉल, कंप्यूटर लैब, बायोमेट्रिक, दस्तावेज़ सत्यापन तथा अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। उप विकास आयुक्त ने परीक्षा कार्य में प्रतिनियुक्त सभी को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कोयला भवन में कविता पाठ प्रतियोगिता

धनबाद (कासं) : हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बीसीसीएल मुख्यालय एवं इसके सभी क्षेत्रों में १४ से २८ सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा२०२६ का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत राजभाषा हिंदी के प्रचारप्रसार एवं कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं, साहित्यिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में कोयला भवन मुख्यालय में कंपनी में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी स्वरचित कविताओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं, जीवन के विविध अनुभवों, सामाजिक सरोकारों, समसामयिक विषयों एवं जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, साहित्यिक अभिरुचि एवं काव्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छायावाद के प्रमुख स्तंभों में से एक, सुप्रसिद्ध कवि एवं कहानीकार स्वर्गीय जयशंकर प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। तत्पश्चात उनके जीवन एवं साहित्यिक योगदान पर एक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी साहित्य एवं कविता हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। कविता विचारों, भावनाओं एवं अनुभवों की सहज और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की साहित्यिक गतिविधियां कार्मिकों में हिंदी के प्रति रुचि एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के साथसाथ उनकी अभिव्यक्तिकौशल को भी विकसित करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं इसके प्रभावी प्रयोग में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १४ से २८ सितंबर तक आयोजित किए जा रहे राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत मुख्यालय एवं कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में विविध प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य कार्मिकों में हिंदी के प्रति जागरूकता एवं अभिरुचि विकसित करना तथा राजभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। पखवाड़े का समापन आगामी २८ सितंबर को आयोजित समापनसहपुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

कार की टक्कर से गिरी स्ट्रीट लाइट

धनबाद (कासं) : पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के बीच सुबहसुबह बिग बाजार के पास रघुकुल के सामने सड़क हादसा सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक काले रंग की कार ने सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइट को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद स्ट्रीट लाइट टूटकर सड़क पर गिर गई। लोगों के मुताबिक टक्कर काफी जोरदार थी। हालांकि, कार की पहचान और हादसे की पूरी परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

एसआईआर के विरोध में ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन

धनबाद (कासं) : वोट चोरी और विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ी के आरोपों को लेकर धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के छात्र संगठन की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया।

प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाते हुए मतदाता सूची की निष्पक्ष जांच और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की। छात्र संगठन के नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक मतदाता के अधिकारों की रक्षा जरूरी है और मतदाता सूची से जुड़े मामलों में स्पष्टता एवं पारदर्शिता होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा और स्थिति पर नजर रखी गई।

महिलाएं अर्थव्यवस्था की रीढ़, बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें : उपायुक्त

बोकारो (ससे): सेक्टर ०१ स्थित स्टर्लिंग सिटी सेंटर बोकारो सभागार में शुक्रवार को झारखंड इन्क्यूबेटर कार्यक्रम के तहत लॉन्च कार्यक्रम-सह-वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना, उनके उद्यमों को विस्तार देना तथा रोजगार सृजन के अवसर बढ़ाना है। कार्यक्रम में जिले के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। झारखंड इन्क्यूबेटर कार्यक्रम महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने, रोजगार सृजन एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने उद्यम को व्यवसाय की तरह संचालित करते हुए पैसे से पैसा बनाने की सोच विकसित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि झारखंड की तस्वीर बदलने के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना आवश्यक है। महिलाएं अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग एवं सेवा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने महिलाओं को सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हुए अपनी क्षमता एवं ताकत को पहचानने तथा परिवार से आगे बढ़कर समाज, राज्य और राष्ट्र के विकास के बारे में सोचने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने दीदियों से पारंपरिक एवं छोटे उद्यमों तक सीमित न रहकर बाजार की मांग के अनुरूप मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस सेक्टर में नए उद्यम स्थापित करने तथा बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए, जिनकी बाजार में मांग हो और जिन्हें बड़े स्तर पर विकसित किया जा सके।

उन्होंने जिले से कम से कम २०० गुणवत्तापूर्ण आवेदन तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि राज्य स्तर पर चयनित उद्यमियों के अतिरिक्त अन्य इच्छुक महिलाओं को भी बैंक, नाबार्ड एवं अन्य वित्तीय संस्थानों के सहयोग से उद्यम स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता एवं बाजार की संभावनाओं से जोड़कर स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि इन्क्यूबेटर कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से महिला नेतृत्व एवं महिला स्वामित्व वाले उद्यमों को प्रोत्साहित करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना एवं पलायन को कम करना है। कार्यक्रम के तहत मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस सेक्टर के उद्यमों को अनुदान, ब्याजमुक्त सॉफ्ट लोन, मेंटरिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।उन्होंने अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण आवेदन सुनिश्चित करने तथा बोकारो से अधिकाधिक योग्य उद्यमों का चयन कराने पर जोर दिया। साथ ही, चयनित उद्यमों को अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत एवं अनुकरणीय मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर विभिन्न छोटे-छोटे उद्यम संचालित कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में यह पहल सराहनीय है। पंचायतों में भ्रमण के दौरान महिलाओं को समूह के माध्यम से उद्यम करते और आत्मनिर्भर बनते देखना सुखद अनुभव है।

कार्यक्रम के दौरान महिला उद्यमियों को मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस सेक्टर में नए उद्यम शुरू करने, बाजार की मांग को समझने, व्यवसाय को विस्तार देने तथा उपलब्ध वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग का लाभ उठाने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों से अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण आवेदन करने की अपील की गई। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जेएसएलपीएस के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, जेएसएलपीएस डीपीएम अनिल डुंगडुंग, आईआईएम कलकत्ता के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी, बीपीएम एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियां उपस्थित थीं।

मानसरोवर तालाब घाट पर भाजपा का स्वच्छता अभियान

गिरिडीह (ससे): भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत शुक्रवार की सुबह बरवाडीह स्थित मानसरोवर तालाब घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह सात बजे शुरू हुए अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर घाट परिसर की साफ-सफाई की तथा लोगों को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया।

कार्यकर्ताओं ने तालाब घाट परिसर में फैले कचरे को एकत्र कर साफ-सफाई की। इस दौरान स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। भाजपा नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं देशसेवा के २५ वर्षों की यात्रा के अवसर पर उनके जन्मदिवस १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक 'सेवा मेरा योगदान' अभियान चलाया जा रहा है।

इसके तहत गिरिडीह महानगर के विभिन्न मंडलों में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता, सेवा और जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की अगुवाई गिरिडीह नगर मंडल 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के संयोजक आशीष जालान ने की।

मैगी खाने गए दारोगा के बेटे की पीट-पीटकर हत्या

गिरिडीह (ससे): मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बंदरकुप्पी में गुरुवार देर रात एक २४ वर्षीय युवक की १० से १५ लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान तिक यादव उर्फ बक्री यादव के रूप में हुई है और वह जेएमएम छात्र मोर्चा से जुड़ा था. उसके पिता मुसाफिर सिंह यादव चतरो चट्टी थाना (बोकारो) में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं. मिली जानकारी के अनुसार, तिक अपने दो दोस्तों के साथ रात करीब ११ बजे बंदरकुपी स्थित मैगी प्वाइंट में मैगी खाने गया था. इसी दौरान कुछ युवकों से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया. बताया जा रहा है कि विवाद के बाद करीब १० से १५ युवक मौके पर पहुंचे और तिक पर हमला किया. आरोप है कि हमलावरों ने उसे इतनी बेरहमी से पीटा कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल अवस्था में उसके दोस्त उसे सदर अस्पताल ले गए. लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी. चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कैंजे में लेकर जांच शुरू की. पुलिस घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर विवाद का कारण और हमले में शामिल युवकों की पहचान करने में जुटी है. घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और सभी का रो-रोकर बुरा हाल है.

गिरिडीह कॉलेज में एबीवीपी की भूख हड़ताल जारी

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह कॉलेज में वित्तीय अनियमितता की जांच और प्राचार्य को हटाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की भूख हड़ताल सातवें दिन भी जारी रही। गुरुवार को आंदोलनरत छात्र नेताओं और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. चंद्र भूषण शर्मा के बीच हुई वार्ता भी बेनतीजा रही।

गिरिडीह कॉलेज पहुंचे कुलपति डॉ. चंद्र भूषण शर्मा ने देर शाम तक आंदोलनरत छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाए। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कुलपति ने भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह भी किया, लेकिन छात्र नेताओं ने इसे स्वीकार नहीं किया।

-इतझ के छात्र नेताओं ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए प्राचार्य को जांच प्रक्रिया से अलग किया जाना चाहिए और उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए। वहीं, कुलपति ने प्राचार्य को तत्काल हटाने से इनकार करते हुए कहा कि किसी के खिलाफ कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद ही की जा सकती है। वार्ता के दौरान आंदोलनकारियों ने कुलपति पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

कुलपति ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे किसी के दबाव में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छुट्टी के दिनों में भी जांच की जाएगी और अधिकतम १४ दिनों में जांच की प्रक्रिया पूरी कर मामले को स्पष्ट करने का प्रयास किया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि वे कुलगुरु के रूप में किसी बाहरी दबाव में निर्णय नहीं लेंगे और उनकी प्राथमिक चिंता विद्यार्थियों से जुड़ा मामला है।

डॉ. चंद्र भूषण शर्मा ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन समितियां गठित की गई हैं। इनमें से दो समितियों के सदस्य गिरिडीह पहुंचकर जांच कर चुके हैं और अपनी रिपोर्ट सौंप चुके हैं। उन्होंने बताया कि महामहिम की ओर से भी एक जांच समिति गठित की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुलपति ने कहा कि जांच के दौरान कुछ दस्तावेजों और उपस्थिति से जुड़े बिंदु सामने आए हैं, लेकिन बिना पूरी जांच के किसी को दोषी ठहराकर कार्रवाई नहीं की जा सकती।

वार्ता विफल होने के बाद -इतझ नेताओं ने आंदोलन जारी रखने की घोषणा की।

स्वच्छता अभियान कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से माराफारी पुनर्वास पंचायत में व्यापक स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराते हुए इसे सामुदायिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में सीएसआर विभाग के अधिकारी, माराफारी पुनर्वास पंचायत की ग्राम प्रधान एवं पंचायत प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सहायिकाएँ तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं के बीच कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। इसके माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। साथ ही, पंचायत क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न स्वच्छता सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा एकत्रित कचरे के समुचित निपटान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। ग्रामीणों को अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित एवं निर्धारित स्थान पर निपटान करने तथा दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया गया।

आपके मोबाइल आपके पास अभियानः 105 लोगों को लौटाए गए खोए मोबाइल

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह पुलिस के अभियान 'आपके मोबाइल आपके पास' के तहत शुक्रवार को १०५ लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल फोन वापस लौटाए गए। पुलिस लाइन स्थित मल्टी पर्पज हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल धारकों को उनके बरामद मोबाइल सौंपे गए। पुलिस के अनुसार, तकनीकी टीम की मदद से विभिन्न स्थानों पर खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया गया है। अभियान के तहत अब तक एक हजार से अधिक खोए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को लौटाए गए मोबाइलों में कुछ ऐसे फोन भी शामिल थे, जो छह महीने से लेकर चार वर्ष पहले तक खो गए थे। तकनीकी टीम लगातार मोबाइल फोन को ट्रेस करने में जुटी हुई है। इसी कार्रवाई के परिणामस्वरूप अलग-अलग मामलों में पुलिस को मोबाइल बरामद करने में सफलता मिल रही है।

मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी नजर आई। मोबाइल धारकों ने गिरिडीह पुलिस और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल खोने के बाद नया फोन खरीदना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन पुलिस की पहल से उनका पुराना मोबाइल वापस मिल गया। इस दौरान राजकमल महतो, मनोज कुमार गुप्ता, विवेक कुमार भदानी और राहुल कुमार पासवान ने मोबाइल मिलने पर खुशी जाहिर की।एसपी डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि 'आपके मोबाइल आपके पास' अभियान के माध्यम से अब तक एक हजार से अधिक लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल वापस किए जा चुके हैं। इनमें आर्थिक रूप से कमजोर लोग भी शामिल हैं, जिनके लिए दोबारा मोबाइल खरीदना मुश्किल होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने को सूचना दें, ताकि तकनीकी माध्यम से मोबाइल को ट्रेस करने की कार्रवाई शुरू की जा सके। कार्यक्रम में डीएसपी नीरज सिंह, डीएसपी-२ आरके राणा समेत कई पुलिस पदाधिकारी और मोबाइल धारक मौजूद थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि खोए एवं चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए तकनीकी स्तर पर अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डैम का फाटक खुलते ही पुल के ऊपर से बहने लगा पानी

बोकारो (ससे): लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण बोकारो की नदियां उफान पर हैं. गरगा डैम में पानी लबालब भर जाने के बाद प्रबंधन ने जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए डैम के फाटक खोल दिए हैं. इससे गरगा नदी में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. इधर चास के भर्रा पुल के ऊपर से भी पानी बह रहा है. बोकारो सेक्टर से भर्रा जाने के लिए बड़ा पुल है. इसके बावजूद कुछ लोग छोटे पुल से होकर गुजर रहे हैं. तेज बहाव के बीच इस पुल से गुजरना हादसे को न्योता दे सकता है.

स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले भी इस पुल से बाइक और लोगों के नदी में गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं. इसके बावजूद कुछ लोग पुल के पास नहाने और पानी के बीच से गुजरने का जोखिम उठा रहे हैं. स्थानीय निवासी तौफीक अली ने जिला प्रशासन से पुल के पास बैरिकेडिंग करने की मांग की है, ताकि वाहनों की आवाजाही रोकी जा सके. वहीं, मोहम्मद करीम ने कहा कि बारिश के दौरान पुल बेहद खतरनाक हो जाता है. उन्होंने प्रशासन से पुल को तत्काल बंद करने की मांग की है.

बाइक को बचाने में वाहन नहर में गिरा

बोकारो (ससे): तेनुघाट ओपी क्षेत्र के चांपी के पास तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी. हादसे में वाहन सवार बबलू कुमार और रोहित कुमार घायल हो गए. दोनों को इलाज के लिए तेनुघाट अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है.बताया जा रहा है कि फॉर्च्यूनर तेज रफ्तार से जा रही थी. इसी दौरान सामने से अचानक एक बाइक आ गई. बाइक को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद फॉर्च्यूनर सड़क किनारे स्थित नहर में जा गिरी.

बिजली के चपेट में आने से एसबीआई कैशियर की मौत

बोकारो (ससे): जैनामोड़ स्थित भारतीय स्टेट बैंक के कैशियर मुकेश कुमार सिंह (४५) की ४४० वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से मौत हो गई. हादसा गुरुवार रात करीब ९ बजे पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के तेलीडीह टांड़ में हुआ. मुकेश कुमार सिंह इसी इलाके के रहने वाले थे.जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार सिंह गुरुवार शाम ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौटे थे. रात में वह दूध लाने के लिए स्कूटी से बाहर निकले.

इसी दौरान बारिश के बीच बिजली का तार टूटकर मुख्य सड़क पर गिर गया था. अंधेरा और बारिश होने के कारण सड़क पर गिरे तार पर उनकी नजर नहीं पड़ी औप मुकेश स्कूटी समेत बिजली के तार की चपेट में आ गए. करंट लगने के बाद वह मौके पर ही तड़पने लगे और उनकी मौत हो गई.

आजीविका के अवसरों तथा दीर्घकालिक प्रभावों को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): कबरीबाद कोयला क्षेत्र के पुनर्पयोग की संभावनाओं, स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं तथा क्षेत्र के दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास को लेकर आज नगर भवन गिरिडीह में हितधारकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की उपस्थिति में क्षेत्र के पुनर्पयोग की संभावनाओं पर विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक का आयोजन जिला प्रशासन, गिरिडीह द्वारा जस्ट ट्रांजिशन रिसर्च सेंटर, आईआईटी कानपुर के सहयोग से किया गया। बैठक में खनन बंदी सलाहकार समिति के सदस्यों, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों, प्रभावित पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित कुल ४३ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बैठक में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों, समुदाय की आवश्यकताओं तथा खनन गतिविधियों के बाद क्षेत्र के पुनर्पयोग से संबंधित संभावनाओं पर सुझाव एवं विचार साझा किए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि कबरीबाद कोयला क्षेत्र के भविष्य को लेकर किसी भी योजना में स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं, आजीविका के अवसरों तथा दीर्घकालिक प्रभावों को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर क्षेत्र के भविष्य के आर्थिक विकास की रूपरेखा तैयार करने तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को समझने में महत्वपूर्ण सहयोग कर सकता है। उन्होंने सभी संबंधित हितधारकों से स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवहारिक सुझाव साझा करने की अपील की।

अपने स्वागत संबोधन में आईआईटी कानपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष तथा जेटीआरसी के संस्थापक प्रो. प्रदीप स्वर्णकार ने बैठक के उद्देश्य एवं जस्ट ट्रांजिशन की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों के साथ-साथ क्षेत्र के दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय भविष्य की योजना तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन तथा सीसीएल के साथ समन्वय स्थापित कर समुदाय की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके अनुरूप संभावनाओं की पहचान करने में यह प्रक्रिया सहायक होगी। सीसीएल, गिरिडीह क्षेत्र के महाप्रबंधक (खनन), श्री कनैया शंकर गोपाल ने कबरीबाद खदान के इतिहास, क्षेत्र में सीसीएल की भूमिका तथा खदान की भावी योजनाओं के संबंध में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए उपयुक्त विकल्पों की पहचान महत्वपूर्ण है। वहीं, सीसीएल मुख्यालय के महाप्रबंधक (खनन) श्री आनंद प्रकाश ने भी चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र के पुनर्पयोग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने जमीनी हकीकत, स्थानीय आकांक्षाओं और समुदाय की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं के लिए वैकल्पिक आजीविका के अवसरों पर विचार करते हुए मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, डेयरी, मुर्गी पालन, जैविक खेती तथा वर्मी कम्पोस्ट निर्माण जैसे विकल्पों पर सुझाव सामने आए।

इसके साथ ही पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा तथा तकनीकी कौशल विकास जैसे व्यापक विकल्पों पर भी चर्चा की गई।

जागरूकता का संदेश लेकर मनाया गया विश्व फार्मेसी दिवस

गिरिडीह (ससे): विश्व फार्मेसी दिवस के अवसर पर सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व फार्मेसी दिवस की थीम रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में फार्मासिस्ट की भूमिका, दवाओं के सुरक्षित एवं सही उपयोग तथा स्वस्थ भविष्य के निर्माण में फार्मेसी के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा।कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। नाटक के माध्यम से फार्मेसी के महत्व, फार्मासिस्ट की जिम्मेदारियों तथा स्वास्थ्य सेवा में उनके योगदान को प्रभावी एवं मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया गया।प्राचार्य ने कहा, इस वर्ष की थीम हमें यह संदेश देती है कि सशक्त और ज्ञानवान फार्मासिस्ट ही बेहतर एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ समाज और मरीजों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। कॉलेज कजऊ के द्वारा, विद्यार्थियों द्वारा किए गए नुक्कड़ नाटक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि पढाई के साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास ,उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं।

भाजपाईयों ने मनाई पंडित दीनदयाल की जयंती

डुमरी (ससे):भाजपा डुमरी मंडल द्वारा शुक्रवार को जामतारा पंचायत सचिवालय सभागार में एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं अंत्योदय के प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष केदार महतो व संचालन मंडल उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने किया।वक्ताओं ने कहा कि २५ सितंबर १९१६ में जन्मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार आज भी समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए मार्गदर्शक है।उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

मिलावटी पनीर व खाद्य पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिले में मिलावटी

खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस क्रम में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने धनबाद शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक छापेमारी की।

कार्रवाई के दौरान कई दुकानों से पनीर के नमूने एकत्र कर रासायनिक परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, रांची भेजे गए। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध पाए गए पनीर व अन्य उत्पादों को मौके पर जब्त किया गया।

निरीक्षण दल के स्टील गेट स्थित गौतम डेयरी पहुंचने पर उसका संचालक दुकान छोड़कर फरार हो गया। जांच में प्रतिष्ठान का एफएसएसएआई लाइसेंस भी एक्सपायर्ड (अवैध) पाया गया। दुकान से ४८ किग्रा संदिग्ध पनीर, २ किग्रा घी तथा खोवा जब्त किया गया। भारी मात्रा में मिलावटी खाद्य सामग्री मिलने और संचालक के भागने के कारण दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं पुलिस लाइन स्थित राकेश डेयरी से १० किग्रा संदिग्ध पनीर जब्त किया गया।

इसके अलावा टीम ने अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूना संग्रहण किया। इसमें सरायढेला स्थित रूफ़ ७०९, निर्मल स्वीट्स, रमेश डेयरी तथा बरटांड़ स्थित गंगा डेयरी से भी पनीर, घी एवं खोवा मिठाई के नमूने एकत्र किए गए।

मौके पर की गई जांच में विफल पाए गए खाद्य पदार्थों को भी जब्त किया गया। वहीं उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निरीक्षण अभियान पूरे जिले में निरंतर जारी रहेगा। मिलावटखोरों और बिना वैध लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रखीतपुर अंडरपास पाइपलाइन मरम्मत का कार्य शुरू

सिंदरी (ससे) : सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय एवं विधायक चंद्रदेव महतो की सक्रिय पहल और क्षेत्र की जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प से एक और महत्वपूर्ण जनहित का कार्य प्रारंभ हो चुका है। रखीतपुर अंडरपास के पास पिछले कुछ समय से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मति का कार्य श्यान कंपनी द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है, जिससे स्थानीय जनता को जल्द ही बड़ी राहत मिलेगी।

प. दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र के धोबनी स्थित भाजपा धनबाद प्रखण्ड अध्यक्ष गौतम सिंह चौधरी के आवासीय कार्यलय में एकात्म मानववाद' एवं 'अंत्योदय' के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रचिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ११०वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर धनबाद प्रखण्ड महामंत्री राजीव महतो उपाध्यक्ष गुड्डू वर्मा, कन्हाई सिंह, सदानंद वर्णवाल, पूर्व मुखिया दीपक सिंह चौधरी, पंकज सिन्हा, रमेश महतो, तारा बाउरी, अनिल सिंह आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य व सुरक्षा पर जागरूकता प्रशिक्षण

पुटकी (ससे) : डी.जी.एम.एस, धनबाद के द्वारा डबल्यू जे एरिया मूनीडीह में कर्मचारियों को व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग १०० अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय कुमार गिम्मेडी, निदेशक (माइनिंग), डीजीएम एस उपस्थित थे। इस अवसर पर टाटा से पहुंचे विशिष्ट अतिथि डॉ. अंकित प्रकाश, डीजीएम एस से डॉ. झूलन मुखर्जी, सेल से डॉ.राकेश कुमार तथा मुनीडीह से डॉ. सुरजीत मंडल सहित अनेक विशेषज्ञ उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा पौधारोपण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके उपरांत राष्ट्रगीत, डीजीएमएस गीत एवं कोल इंडिया गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ डॉ. सुरजीत मंडल के द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीपीआर की आवश्यकता, सही प्रक्रिया एवं जीवन रक्षक उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि आकस्मिक स्थिति में कर्मचारी तत्काल सहायता प्रदान किया जा सके। कार्यक्रम का सफल आयोजन में सीताराम राउत का सहरानीय योगदान रहा।

इस अवसर पर डॉ. झूलन मुखर्जी ने स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवनशैली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, स्वच्छता, तनाव नियंत्रण तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए नशे से दूरी बनाए रखने तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

धनबाद मंडल में चला स्वच्छता अभियान

धनबाद (कासं) : स्वच्छता ही सेवा अभियान के नौवें दिन धनबाद मंडल में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय धनबाद एवं धनबाद रेलवे स्टेडियम में विशेष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्रछात्राओं, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के परस्पर संबंध के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया इसके साथ ही धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया अभियान के तहत स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, रेल पटरियों एवं यात्री प्रतीक्षालयों की साफसफाई की गई सफाई अभियान के दौरान यात्रियों को रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग देने तथा सिंगलयूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः बंद करने के लिए जागरूक किया गया।

दिव्यांग बच्चों में असीम प्रतिभा, जरूरत है प्रोत्साहन की : सांसद

धनबाद (कासं) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों के विशेष विद्यालय पहला कदम में २५ करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद सांसद ढुलू महतो शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक चित्र बनाए। इस दौरान बच्चों और

राजीव अग्रवाल ने सांसद ढुलू महतो का हूबहू चित्र बनाकर उन्हें भेंट किया।

अपनी तस्वीर देखकर सांसद भावुक हो गए और बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि दिव्यांग बच्चों में असीम क्षमता और प्रतिभा होती है। जरूरत उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने की है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चे किसी भी सामान्य बच्चे से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं है, बल्कि ऐसे बच्चों की विशेष देखभाल, शिक्षा और विकास के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देना सभी का दायित्व है।

भाजपा धनबाद महानगर जिलाध्यक्ष श्रवण राय ने सेवा संकल्प अभियान के तहत पहला कदम विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने विद्यालय प्रमुख अनीता अग्रवाल और पूरे विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक महेश पासवान ने कहा कि २५ करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देना और उन्हें प्रोत्साहित करना है।

उपाध्यक्ष ने मनाया अनाथ बच्चों के साथ अपना जन्मदिन

धनबाद (कासं) : हीरापुर माडा कॉलोनी स्थित हिंदू मिशन सोसाइटी के हिंदू मिशन अनाथालय में श्रीकृष्ण गौ फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सोनू पटेल ने अनाथालय के बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच समय बिताया और उन्हें स्वादिष्ट भोजन कराया। बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा करते हुए उन्होंने प्रेम और स्नेह का संदेश दिया। मौके पर उपस्थित श्रीकृष्ण गौ फाउंडेशन के अध्यक्ष सूरज गिरी ने कहा कि लोगों को प्रयास करना चाहिए कि वे अपना जन्मदिन अथवा अन्य शुभ अवसर इन बच्चों के साथ मनाएं। ये बच्चे समाज के लोगों के प्यार, सहयोग और स्नेह के इंतजार में रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को इन अनाथ बच्चों का परिवार बनकर उन्हें अधिक से अधिक खुशियां देने का प्रयास करना चाहिए। इससे बड़ा सामाजिक कार्य कोई नहीं हो सकता। वहीं उपस्थित पंख एक नई दिशा की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने कहा कि समाज के सभी लोगों से अपील है कि इन बच्चों को अपने बच्चों की तरह प्यार और स्नेह दें तथा उनकी शिक्षा और भविष्य को संवारने में सहयोग करें। उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ये बच्चे भी शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल कर समाज में बेहतर स्थान बना सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : आयुष फाउंडेशन धनबाद ने आईआईएमयू के सहयोग से द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन अकादमी के सभागार में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब २ सौ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व चिकित्सक, पेरेंटिंग कोच एंड काउंसलिंग, डॉ. नभिता झा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए अपनी भावनाओं, परेशानियों और तनाव को समझने तथा उसे अपने परिवार, शिक्षकों या किसी भरोसेमंद व्यक्ति के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. नभिता झा ने बच्चों से कहा कि अपनी कमजोरी या परेशानी को छिपाने के बजाय उसके बारे में खुलकर बताना और बातचीत करना जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने डॉ. नभिता झा से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कई सवाल भी पूछे। डॉ. नभिता झा ने बच्चों के सभी सवालों का सरल और सहज तरीके से जवाब दिया तथा उन्हें अपनी समस्याओं को समझने और आवश्यकता पड़ने पर मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। आयुष फाउंडेशन धनबाद के अध्यक्ष गणेश शर्मा ने कहा कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत करना आज के समय की आवश्यकता है। बच्चे अपनी परेशानियों को अपने अंदर रखने के बजाय अपने मातापिता, शिक्षक या भरोसेमंद व्यक्ति से साझा करें, ताकि उनकी समस्याओं को समय रहते समझा जा सके।

फाउंडेशन की सचिव अर्पिता अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी भावनाओं को समझने और अपनी बात खुलकर रखने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

रोजगार व मुआवजे के मामलों पर अपर समाहर्ता ने सुना रैयतों व प्रबंधन का पक्ष

धनबाद (कासं) : झारखंड विधानसभा की विशेष समिति द्वारा विगत १८ सितंबर २०२५ से २१ सितंबर २०२५ तक धनबाद जिले में किए गए स्थल अध्ययन के दौरान प्राप्त जनआवेदनों पर जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जा रही है। उक्त सभी जनआवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला भूमि प्रकोष्ठ को हस्तांतरित किया गया था। इस क्रम में संबंधित मामलों की सुनवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में अपर समाहर्तासहअध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट लैंड सेल, प्रदीप कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता के कार्यालय कक्ष में रैयतों तथा संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान रैयतों द्वारा प्रस्तुत मामलों को विस्तारपूर्वक सुना गया तथा संबंधित अभिलेखों एवं तथ्यों पर विचार किया गया।

सुनवाई के दौरान भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एवं ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने भी अपनेअपने पक्ष एवं संबंधित अभिलेख प्रस्तुत किए। अपर समाहर्ता ने दोनों पक्षों की दलीलों को गंभीरतापूर्वक सुनने के उपरांत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक एवं समुचित दिशानिर्देश जारी किए। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान सामने आए अधिकांश मामले भूमि के बदले नियोजन एवं मुआवजा से संबंधित थे। अपर समाहर्तासहअध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट लैंड सेल ने संबंधित मामलों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का निष्पक्ष एवं शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेयर व विधायक रागिनी ने फूड बॉक्स का किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : शहर के बरटांड क्षेत्र में धनबाद नगर निगम की ओर से तैयार किए गए फूड बॉक्स का विधिवत शुभारंभ हुआ। धनबाद के मेयर संजीव सिंह एवं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर फूड बॉक्स का उद्घाटन किया। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। फूड बॉक्स के शुरू होने से बरटांड क्षेत्र में लोगों को एक ही स्थान पर व्यवस्थित तरीके से खान-पान की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही छोटे खाद्य कारोबारियों और स्थानीय स्तर पर रोजगार से जुड़े लोगों को भी अपना व्यवसाय संचालित करने के लिए बेहतर मंच मिलने की उम्मीद है। मेयर संजीव सिंह ने कहा कि धनबाद नगर निगम का प्रयास शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप देना है। फूड बॉक्स जैसी पहल से नागरिकों को बेहतर सुविधा देने के साथ स्थानीय व्यवसाय को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा, धनबाद में नागरिक सुविधाओं का विस्तार और शहर को व्यवस्थित बनाना नगर निगम की प्राथमिकता है। बरटांड़ का फूड बॉक्स इसी दिशा में एक पहल है। यहां लोगों को बेहतर वातावरण में खानपान की सुविधा मिलेगी और स्थानीय छोटे व्यवसायियों को भी रोजगार का अवसर मिलेगा। आने वाले समय में जनसुविधाओं से जुड़े और कार्यों को गति दी जाएगी। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य आम लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के अवसर पैदा करना भी है। बरटांड में फूड बॉक्स की शुरुआत से क्षेत्र के लोगों को सुविधाजनक खानपान की व्यवस्था मिलेगी।

उन्होंने कहा, शहर के विकास के साथ स्थानीय लोगों के रोजगार और सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है। फूड बॉक्स जैसी पहल से आम लोगों को सुविधा मिलेगी और छोटे कारोबार से जुड़े लोगों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। धनबाद के विकास के लिए जनहित से जुड़ी ऐसी पहल का लगातार विस्तार होना चाहिए।उद्घाटन के बाद मेयर एवं विधायक ने फूड बॉक्स का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने भी नगर निगम की इस पहल का स्वागत किया।

बाइक व स्कॉर्पियो में टक्कर, दो लोग गंभीर

निरसा (ससे) : निरसा थाना क्षेत्र के गोपालगंज के समीप जीटी रोड पर बाइक और स्कॉर्पियो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कंचनडीह निवासी बाइक सवार शकील खान और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों को भी काफी नुकसान पहुंचा।

बताया जाता है कि शकील खान अपने दोस्त के साथ बाइक से जीटी रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक स्कॉर्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक और स्कॉर्पियो सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसे।

हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों की मदद की। सूचना मिलते ही निरसा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

दुर्घटना की खास बात यह रही कि घटनास्थल निरसा थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित है। पुलिस ने क्रेन की मदद से झाड़ियों में फंसे दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को बाहर निकलवाया। पुलिस ने बाइक और स्कॉर्पियो को अपने कैंजे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसा किस वजह से हुआ और स्कॉर्पियो की रफ्तार कितनी थी, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

आईएसएम में इंडियन नेशनल ग्राउंडवाटर कॉन्फ्रेंस शुरू

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद में छठे इंडियन नेशनल ग्राउंडवाटर कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई। ग्राउंडवाटर यूटिलाइजेशनइश्यूज एंड चैलेंजेज अंडर क्लाइमेट चेंज सिनेरियोस विषय पर आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन के दौर में भूजल के वैज्ञानिक आकलन, मॉनिटरिंग, मॉडलिंग और बेहतर मैनेजमेंट पर जोर दिया। कॉन्फ्रेंस का आयोजन आईआईटीआईएसएम के सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरनमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग विभागों ने एसोसिएशन ऑफ ग्लोबल ग्राउंडवाटर साइंटिस्ट्स के सहयोग से किया है। मुख्य अतिथि प्रो.

राम कुमार सिंह ने भूजल को सॉयलवाटरप्लांटएनवायरनमेंट कंटिन्यूम के रूप में देखने की जरूरत बताई। उन्होंने युवा रिसर्चर्स से फील्ड में जाकर प्रैक्टिकल समस्याओं पर काम करने और ऐसे इनोवेशन विकसित करने की अपील की, जिनका उपयोग व्यापक स्तर पर किया जा सके। प्रो. एम.के. सिंह ने कहा कि भूजल प्रबंधन में सरकारी एजेंसियों, किसानों, इंडस्ट्री, अर्बन अथॉरिटीज, सिविल सोसाइटी और शिक्षण संस्थानों की भूमिका है। उन्होंने नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट के लिए थ्रीएम प्रिंसिपलमॉडलिंग, मॉनिटरिंग और मैनेजिंग पर जोर दिया।

मुस्लिम बस्ती में भूधंसान क्षेत्र की भराई

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र के लोयाबाद नं. ७ मुस्लिम बस्ती में बीते हुए भू-धंसानक क्षेत्र और अवैध मुहाने को बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा युद्ध स्तर पर भराई का काम तीसरे दिन भारी बारिश के बावजूद जारी रहा।

बताते चले भूधंसानक से दर्जनों मकान छतिग्रस्त हो गया था। तीन मकान जमींदोज हो गया था। कांग्रेसी नेता सह समाजसेवी असलम मंसूरी और चेम्बर अध्यक्ष राजकुमार महतो के देखरेख में भराई कार्य करवाया जा रहा है। गोफ भराई

करवाने में प्रबन्धक कमलेश कुमार, रामराज राजभर, फेकू सिंह, पेलोडर ऑपरेटर लखेन्दर रजभर आदि शामिल थे।

बीएसएल में वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट में एमएसएमई, विशेषकर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) एवं महिला उद्यमियों को बीएसएल की खरीद प्रक्रिया, उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों एवं विभिन्न सुविधाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा संबंधित विभागीय एवं बाह्य संस्थाओं के सहयोग से 'वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सामग्री प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधि, एससी/एसटी उद्यमी तथा विभिन्न वेंडर एवं उद्यमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित वेंडरों के बीच बीएसएल की खरीद-प्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा एमएसएमई, एससी/एसटी एवं महिला उद्यमियों की बीएसएल के साथ व्यावसायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम के दौरान 'ट्रेड रिसीवेबल्स इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस)' की कार्यप्रणाली एवं इसकी भूमिका के बारे में एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी साझा की गई। साथ ही, एमएसएमई क्षेत्र के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय एवं संस्थागत सुविधाओं तथा सहायता तंत्र से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। नेशनल एससी-एसटी हब, रांची के प्रतिनिधियों एवं संबंधित विशेषज्ञों ने एमएसएमई एवं एससी/एसटी उद्यमियों के लिए उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों, सरकारी सहायता एवं सहयोग तंत्र तथा बीएसएल के साथ व्यावसायिक रूप से जुड़ने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को बीएसएल की खरीद-प्रणाली, वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया तथा उपलब्ध डिजिटल प्रणालियों के उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई। वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम के माध्यम से एमएसएमई, एससी/एसटी एवं महिला उद्यमियों की बीएसएल की खरीद-प्रणाली में भागीदारी को सुगम बनाने तथा बीएसएल और एमएसएमई क्षेत्र के बीच व्यावसायिक सहभागिता को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया।

विभागों के बीच स्थापित हो समन्वय : जिप सदस्य

डुमरी (ससे): जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने शुक्रवार को प्रेस बयान जारी कर कहा है कि तेज हवा एवं बारिश के कारण प्रखंड के कई स्थानों पर पेड़-पौधे गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित होने और सड़कों पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति सामने आई है। ऐसी परिस्थितियों में प्रभावित लोगों को राहत देने के बजाय विभिन्न विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर समन्वय की कमी की शिकायतें सामने आती हैं।कहा कि पेड़ हटाने को लेकर कहीं पीडब्लूडी विभाग,कहीं वन विभाग,कहीं विद्युत विभाग,कहीं अंचल कार्यालय की जिम्मेदारी बताई जाती है।
उपरोक्त विभागों के बीच जिम्मेदारी तय होने में समय लगने का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है।कहा कि आपदा या आकस्मिक परिस्थिति में आम जनता को विभागीय प्रक्रिया और आपसी जिम्मेदारी के विवाद में नहीं फंसना चाहिए। प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि सड़क पर गिरे पेड़ को तत्काल हटाया जा सके,बिजली आपूर्ति बहाल हो और आवागमन सुचारू किया जा सके।

बीएसएल द्वारा मराफारी पुनर्वास क्षेत्र में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सतर्कता विभाग द्वारा आगामी 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-२०२६' तथा वर्तमान में संचालित 'तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान' के अंतर्गत २५ सितंबर को पंचायत भवन, मराफारी पुनर्वास क्षेत्र में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय के बीच भ्रष्टाचार की रोकथाम, पारदर्शिता तथा उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र के संबंध में जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सतर्कता विभाग के अधिकारी, मराफारी की ग्राम प्रधान, पंचायत समिति के सदस्य तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ने कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य केवल भ्रष्टाचार के प्रति चेतना उत्पन्न करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को उनके अधिकारों तथा उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र के बारे में जानकारी प्रदान करना भी है। उन्होंने बताया कि यदि किसी केंद्रीय सरकारी कार्यालय अथवा केंद्र सरकार के नियंत्रणाधीन संस्था में किसी वैध कार्य के लिए रिश्वत की मांग की जाती है, तो नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से इसकी शिकायत कर सकते हैं।

उन्होंने ग्रामीणों को शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शिकायत के दौरान घटना से संबंधित तथ्य, संबंधित कार्यालय अथवा व्यक्ति का विवरण, दिनांक, संबंधित कार्य तथा रिश्वत की मांग से जुड़ी उपलब्ध जानकारी अथवा दस्तावेज स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराना उपयोगी होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शिकायतें तथ्यों एवं वास्तविक जानकारी पर आधारित होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीण प्रतिनिधियों एवं सदस्यों को यह संदेश दिया गया कि सतर्कता एक साझा जिम्मेदारी है।

जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उत्तरदायी व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों एवं आंगनवाड़ी सदस्यों ने बीएसएल सतर्कता विभाग की इस जन-जागरूकता पहल की सराहना की तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को सतर्कता, पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक:– 1040 धनबाद / दिनांक– 24.09.2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 930 दिनांक 29.08.2026 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 29/2026-27/RDSD/ EE/Dhanbad के ग्रुप सं0 01 एवं 02 जिसका PR No. 389575 Rural Development(26-27)D में प्रकाशित निविदा की तिथि में निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 19.09.2026	दिनांक 30.09.2026
2.	ई0 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 19.09.2026 से दिनांक 26.09.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक।	दिनांक 30.09.2026 से दिनांक 08.10.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3.	ई0 निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 28.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।	दिनांक 10.10.2026 अपराह्न 02:00 बजे।

अतः अन्य शर्तो यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 390455 Rural Development (26-27)_D

कार्यालय : कार्यपालक पदाधिकारी, चिरकुण्डा नगर परिषद्, चिरकुण्डा (धनबाद)

–:बंदोबस्ती की सूचना:–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत कुमारधुबी रेल ओवर ब्रिज के नीचे अवस्थित 08 अदद दूकान में से 05 अदद दूकानों को छोड़कर अन्य 03 अदद दूकानों की बंदोबस्ती अस्थायी रूप से तीन वर्ष के लिए खुली डाक के माध्यम से की जायेगी। बंदोबस्ती मासिक किराया पर अधिकतम बोली गयी डाक के आधार पर होगी। दूकानों की सूची, सुरक्षित जमा राशि एवं डाक की तिथि निम्नवत है:–

क0	बंदोबस्ती की विवरणी	डाक की तिथि एवं समय	बंदोबस्ती की सुरक्षित राशि (₹. में)	डाक प्रारंभ करने की किराया राशि (₹. में)
01	दूकान संख्या 03	दिनांक 06.10.2026 को अप0 12:00 बजे	2,50,000.00	3,000.00
02	दूकान संख्या 06		2,50,000.00	3,000.00
03	दूकान संख्या 07		2,50,000.00	3,000.00

उपरोक्त बंदोबस्ती हेतु निम्न प्रकार से तिथि निर्धारित की जाती है :–
1. आवेदन पत्र का मूल्य :– ₹. 5,000.00 (पाँच हजार)
2. आवेदन पत्र बिक्री की तिथि एवं समय :– दिनांक 03.10.2026 को पूर्वा0 10:00 बजे से अप0 05:00 बजे तक
3. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 05.10.2026 को अप0 05:00 बजे तक
4. आवेदन बिक्री तथा जमा करने का स्थान :– कार्यालय चिरकुण्डा नगर परिषद्।

बंदोबस्ती के नियम एवं शर्तें चिरकुण्डा नगर परिषद् के सूचनापट्ट पर देखी जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
चिरकुण्डा नगर परिषद्

PR 390498 Urban Development(26-27).D

उत्तम ब्रह्मचर्य के पालन के साथ पर्युषण पर्व सम्पन्न

डुमरी (ससे) :दस दिनों तक चलने वाला दशलक्षण महापर्व शुक्रवार को दसवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य पालन के संकल्प के साथ सम्पन्न हो गया।इसरी की आरुषी जैन को रांची जैन समाज द्वारा उनके कठोर तप के लिए सम्मानित किया गया।सुनील कुमार जैन अधिवक्ता अशोक जैन,दीपक जैन,प्रदीप जैन,रश्मि जैन,सीमा जैन,सोम जैन,डा विवेक जैन,नीता जैन,अनिता जैन ने भगवान के ओम् णमो अरिहंताणं के मंत्रोचार के बीच जलाभिषेक किया।शिक्षिका सह धर्मज्ञ संगीता जैन, सुषमा जैन,अनिता जैन,रश्मि जैन,राजुल जैन इत्यादि ने ढोल और झांझ में संगत करते हुए भगवन भजन का भक्तिमय गायन कर मन्दिर परिसर को गुंजायमान कर दिया।अधिवक्ता अशोक जैन ने बिहार के जमुई में नारी अपमान की घटना पर रोष और चिंता व्यक्त की।

लोक संवाद में डीडीसी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'हम आपको सुनते हैं' कार्यक्रम (लोक संवाद) में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन उप विकास आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में कुल २९ मामलों की सुनवाई की गई। आमजनों ने विभिन्न विभागों एवं योजनाओं से संबंधित समस्याओं को उप विकास आयुक्त के समक्ष रखा। उन्होंने प्रत्येक मामले को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली तथा मामलों के नियमानुसार एवं त्वरित निष्पादन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक संवाद में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए उनके समयबद्ध निष्पादन की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। पात्र लाभुकों को सरकार की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण अथवा विभागीय जांच की आवश्यकता है, वहां आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई से अवगत कराने पर भी जोर दिया गया। 'हम आपको सुनते हैं' कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आमजनों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद
Email:- dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

शुद्धि पत्र

e-Procurement Tender Notice No. DMC/31/2026-27, Dated :- 25.08.2026 जो कार्यालय के पत्रांक 1774 दिनांक 25.08.2026 द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित है, जिसका PR 388468 Urban Development and Housing (26-27): D है में अपरिहार्य कारणों से निविदा की तिथि बढ़ायी जाती है, जो निम्नुसार है।

Sl No.	Particulars	Published Date and Time	Revised Date and Time
1	Date of Publication of Tender on website	From 27.08.2026 At 03.00 PM	From 30.09.2026 At 03.00 PM
2	Online Last Date/Time for receiving of bids Online	03.09.2026 (On line) till 03:00 PM	21.10.2026 (On line) till 03:00 PM
3	Date of Online Bid Opening	05.09.2026 At 03:00 PM (Online)	22.10.2026 At 03:00 PM (Online)

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
धनबाद नगर निगम, धनबाद

PR 390521 Urban Development and Housing(26-27)#D

सड़क सुरक्षा के संकल्प को आगे बढ़ाना जरूरी: उपायुक्त

बोकारो (ससे):उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि झारखंड इनक्यूबेटर कार्यक्रम का आयोजन कुछ समय पूर्व किया जाना था, लेकिन विभिन्न परिस्थितियों के कारण इसकी तिथि लगातार टलती रही। उन्होंने कहा कि आज जब यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, उस समय पूरा राज्य एक अत्यंत दुखद घटना से व्यथित है। कार्यक्रम की प्रेरणास्रोत माननीय मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पुत्री का दुखद निधन हुआ है और इस समय वे स्वयं गहरे दु:ख में हैं। वहीं, चार बच्चों के निधन की घटना ने भी पूरे राज्य को मर्माहत कर दिया है।

उपायुक्त ने कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति में कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर उनके मन में भी दुविधा थी, लेकिन उन्हें लगा कि जिस उद्देश्य और संकल्प की नींव मंत्री ने ३० जुलाई २०२६ को रखी थी, उसे किसी भी परिस्थिति में पीछे नहीं छूटने देना चाहिए।

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी0एस0सिटी0-14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि MS AMBAR ENGINEERING WORKS, प्लॉट संख्या– c-32 (P), रकवा 1.30 एकड़, कान्द्रा औ0 क्षेत्र, गोविंदपुर धनबाद के स्वत्वाधिकारी श्री अमितेश कुमार सहाय, पिता– स्व0 अवध किशोर सहाय के द्वरा प्राप्त पत्र के आलोक में अपने इकाई को सुचारू से चलाने हेतु स्वत्वाधिकारी से साझेदारी में परिवर्तन करना चाहतें हैं। इकाई के साझेदार श्री अजीत कुमार गुटगुटिया 50 प्रतिशत, एवं श्री आयुष गुटगुटिया 50 प्रतिशत के नाम से स्वत्वाधिकारी से साझेदारी परिवर्तन एवं इकाई का नाम MS AMBAR ENGINEERING WORKS से बदल कर MS ADHRIT INFRA करने का अनुरोध किया गया है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

क्षेत्रीय उप निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र

PR 390509 Industries (26-27)_D

उपायुक्त ने अनधिकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर सख्त कार्रवाई के दिये निर्देश

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में PC PNDT act के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में इसके प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी, PC PNDT समिति के सदस्य एवं अन्य संबद्ध अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों एवं PC PNDT act के तहत पंजीकृत संस्थानों की स्थिति, पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन, नए अल्ट्रासाउंड केंद्रों के लिए प्राप्त आवेदनों तथा पंजीकरण के नवीनीकरण से संबंधित मामलों की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिले में बिना वैध लाइसेंस अथवा अनधिकृत रूप से संचालित क्लीनिक एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छापेमारी दल का गठन कर गहन जांच एवं छापेमारी अभियान संचालित करने तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अनधिकृत रूप से संचालित संस्थानों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने आज की बैठक में प्रस्तुत नए अल्ट्रासाउंड केंद्रों से संबंधित प्राप्त आवेदनों के सत्यापन के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन की निर्धारित मानकों के अनुरूप जांच एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि लिंग चयन एवं भ्रूण लिंग जांच जैसी अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि झउ झछळ -र्ली बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा तथा समाज में लैंगिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कानून है। इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों अथवा व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने जिले में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नियमित निरीक्षण, पंजीकरण की स्थिति तथा आवश्यक अभिलेखों के समुचित संधारण की भी समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में झउ झछळ -र्ली के प्रावधानों को लेकर प्रखंड एवं जिला स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने आमजनों तक कानून के प्रावधानों एवं इसके उद्देश्यों की जानकारी पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और ऐसी अवैध गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम हो सके।

महाप्रबंधक ी डिम्पी गर्ग ने हाजीपुर स्टेशन का किया निरीक्षण

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग द्वारा आज २५.०९.२०२६ को हाजीपुर स्टेशन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में महाप्रबंधक द्वारा सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म सं. ०५ की ओर स्थित द्वितीय प्रवेश द्वार आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने हाजीपुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

विदित हो कि स्टेशन पुनर्विकास योजना के माध्यम से स्टेशनों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यात्री सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर प्लेटफॉर्म सुविधाओं, सुगम आवागमन, स्वच्छता एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र से जुड़े विकास कार्य यात्रियों को नया अनुभव प्रदान करेगा।

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त का कार्यालय (जिला समाज कल्याण शाखा), धनबाद

धनबाद जिलान्तर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय धनबाद सदर, झरिया एवं बाघमारा के आँगनबाड़ी केन्द्रों में सेविका एवं सहायिका चयन हेतु आमसभा आयोजन से संबंधित रोस्टर की सूची।

क्र0	परियोजना का नाम	आँगनबाड़ी केन्द्र का नाम	पंचायत /वार्ड का नाम	पदनाम	दिनांक	समय	स्थल
1	झरिया	राजग्राउण्ड	44	सेविका	07-10-2026	11:30 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र – राजग्राउण्ड
2	झरिया	लोवर चौथाई कुल्ही	45	सेविका	07-10-2026	01:30 P.M.	मदरसा लोवर लोवर चौथाई कुल्ही
3	झरिया	भागा नं0–05	42	सहायिका	09-10-2026	11:30 A.M	सामुदायिक भवन, भागा नं0–05
4	झरिया	कुलटॉड वाशरी फिल्टर हाउस	49	सेविका	13-10-2026	11:30 A.M	प्राथमिक विद्यालय कुलटॉड़
5	बाघमारा	बड़ा पाण्डेयडीह	भीमकनाली	सेविका	15-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
6	बाघमारा	माटीगढ़ा	माटीगढ़ा	सहायिका	15-10-2026	01:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
7	बाघमारा	खरखरी मोती नगर + बाउरी टोला	खरखरी	सहायिका	17-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
8	बाघमारा	मधुबन बाउरी टोला	मधुबन	सहायिका	17-10-2026	01:00 P.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
9	बाघमारा	अगारपथरा लोडिग धोड़ा	वार्ड 4	सहायिका	22-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
10	बाघमारा	लकडका लेप्रोसी टोला	वार्ड 4	सहायिका	22-10-2026	01:00 P.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
11	बाघमारा	काण्ड्रा मुस्लिम टोला 2	काण्ड्रा	सहायिका	26-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
12	बाघमारा	छत्रुटॉड डोम पाड़ा	छत्रुटॉड़	सहायिका	26-10-2026	01:00 P.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
13	बाघमारा	चन्दोरबाँध नीम धोड़ा	वार्ड 5	सहायिका	29-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
14	बाघमारा	मोदिडीह हरिजन बस्ती	वार्ड 5	सहायिका	29-10-2026	01:00 P.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
15	बाघमारा	बेहराकुदर भुईयाँ धौड़ा	बेहराकुदर	सहायिका	31-10-2026	11:00 A.M	आँगनबाड़ी केन्द्र
16	धनबाद सदर	आँ0 केन्द्र–चिरोड़ा अस्मसान रोड़	वार्ड–26	सेविका	08-10-2026	11:00 A.M	जागृति मंदिर के बगल में।
17	धनबाद सदर	आँ0 केन्द्र– मनईटॉड़ डोमपाड़ा पूर्व	वार्ड–30	सेविका	14-10-2026	11:00 A.M	मनईटॉड़ डोमपाड़ा सामुदायिक भवन, धनबाद।
18	धनबाद सदर	आँ0 केन्द्र– बाउरी पाड़ा पुलिस लाईन	वार्ड–25	सहायिका	14-10-2026	01:30 P.M.	प्राथमिक विद्यालय हिरापुर, धनबाद।
19	धनबाद सदर	आँ0 केन्द्र–बेकारबाँध 02	वार्ड–20	सहायिका	23-10-2026	11:00 A.M	बेकारबाँध दुर्गा मंडप, धनबाद।
20	धनबाद सदर	आँ0 केन्द्र– कनकनी हनुमान बाजार	वार्ड–07	सहायिका	23-10-2026	01:30 P.M.	सामुदायिक भवन कनकनी हनुमान बाजरा, धनबाद।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
धनबाद

PR 390466 Social Welfare,Women and Child Development(26-27).D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या-1, धनबाद

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद के अन्तर्गत ई–प्रोक्यूरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– DHANBAD-1/06/2026-27(2nd Call)जिसका सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के PR No.- 390387 (Drinking Water and Sanitation) 26-27 है, में Income Tax Return (ITR) Assessment Year 2026-27 के स्थान पर 2025-26 समझा जाय।

शेष सभी शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या–1,
धनबाद

PR 390504 Drinking Water and Sanitation (26-27) D"

दानापुर मंडल में चलाया जा रहा है स्पेशल ड्राइव

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्य स्थलों और रेलवे कॉलोनियों में सुरक्षित, साफ़ और हाइजीनिक पीने के पानी की सुविधा को बेहतर बनाने और उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है। इसे संबंधित डिपार्टमेंट के साथ मिलकर लागू किया गया है तथा उच्चाधिकारियों द्वारा प्रोग्रेस की रेगुलर मॉनिटरिंग एवं रिव्यू किया जा रहा है।२० अगस्त, २०२६ से पानी टैंक की सफ़ाई हेतु चलाए जा रहे स्पेशल ड्राइव के तहत दानापुर मंडल के कुल ३६४४ ओवरहेड, अंडरग्राउंड, आरसीसी और पीवीसी पानी के टैंकों में से २० सितंबर, २०२६ तक ७१२ टैंको को साफ़ और डिसइंफेक्ट किया जा चुका है। बाकी टैंकों पर तेज़ी से काम पूरा करने के लिए कड़ी नज़र रखी जा रही है।

दानापुर मंडल के पटना जं., राजेन्द्रनगर एवं दानापुर स्टेशनों पर ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट स्थापित है । इसके साथ ही पीआरपी/दीघा तथा दानापुर रेलवे कॉलोनी में भी यह सुविधा पहले से ही उपलब्ध है । जबकि किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा, नवादा, जहानाबाद, राजगीर, आरा एवं बक्सर स्टेशनों पर ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव स्वीकृत है।

पानी की क्वालिटी सुधार हेतु रेलवे बोर्ड के निर्देशों का पालन करते हुए, दानापुर मंडल द्वारा पानी की क्वालिटी में सुधार हेतु पानी के स्टोरेज टैंकों की सफाई, क्लोरीनेशन/डिसइंफेक्शन, पानी की क्वालिटी की मॉनिटरिंग और सोर्स से लेकर नल तक ट्रीटमेंट की ज़रूरतों का रिव्यू किया जा रहा है। पानी के सोर्स से नल तक पानी की क्वालिटी का असेसमेंट किया जा रहा है ताकि उन जगहों की पहचान की जा सके जहां फिल्ट्रेशन या ट्रीटमेंट की आवश्यकता है।

इस स्पेशल ड्राइव में रेलवे कॉलोनियों और कार्य स्थलों को भी कवर किया गया है, जिसमें स्टेशन/कार्य स्थल के हिसाब से कमियों की पहचान की गई है और ज़रूरी सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सुरक्षित और साफ़ पीने के पानी की सुविधाओं की उपलब्धता निरंतर सुनिश्चित करने के लिए, इस पूरी प्रक्रिया पर पहले से बने रिव्यू सिस्टम के ज़रिए नज़र रखी जा रही है। पूर्व मध्य रेल यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को सुरक्षित, साफ़ और भरोसेमंद पीने के पानी की सुविधाएँ देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत सभी मंडलों में लगातार मॉनिटरिंग, बचाव के लिए मेंटेनेंस और समय पर सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं।

कानून व्यवस्था को लेकर सीएस ने गैर पेशेवर पुलिस अधिकारियों को हटाने का दिया निर्देश

च्ंजदं छमूः बिहार पुलिस की कार्यशैली और जिलों में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की. सीएस ने खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए.

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था में किसी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी. खराब प्रदर्शन करने वाले और गैर पेशेवर पुलिस अधिकारियों को उनके पद से तत्काल हटाने के निर्देश दिए. साथ ही अधिकारियों के कामकाज का लगातार मूल्यांकन करने को कहा. इस समीक्षा बैठक में डीएम और एसपी के प्रदर्शन को भी निगरानी के दायरे में रखा गया. अधिकारियों के मूल्यांकन में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया, जनता से मिलने वाला फीडबैक और जिले में धरातल पर सुरक्षा की स्थिति को आधार बनाया जाएगा.सीएस ने सभी एसपी को अपने-अपने जिले के कानून व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी लेने को कहा. सघन गश्त बढ़ाने, नियमित फील्ड विजिट करने और अनुमंडल स्तर तक निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए.अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए रणनीतिक स्थानों पर जरुरत के अनुसार तत्काल चेकपोस्ट लगाने को भी कहा गया है. पुलिस इकाइयों की लगातार अलर्ट और सक्रिय रहने की हिदायत दी गई.

बैठक में हाल की घटनाओं में जमुई पुलिस की त्वरित कार्रवाई का उल्लेख करते हुए अन्य जिलों के लिए उदाहरण बताया गया. पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों को जिलों में जाकर फील्ड विजिट और जरुरत पड़ने पर रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए गए.

कांग्रेस के गढ़ में सपा ने तय कर दी शर्त

रायबरेली(ईएमएस): समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा क्षेत्र रायबरेली से अपने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान का जोरदार आगाज किया है। उन्होंने गठबंधन की शर्तों को स्पष्ट करते हुए कहा, गठबंधन भी होगा, गठबंधन के साथ चुनौती भी होगी हमारे लिए बात सीट की नहीं, जीतने वाली सीट की होगी। जो जीते, वह सीट ले ले। अखिलेश ने दावा किया कि २०२४ के लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी ने भाजपा को हराया था ।

नाबालिगों से जबरन देह व्यापार कराने वाला गिरोह पकड़ाया

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मुजफ्फरपुर पुलिस ने नाबालिग लड़कियों को अच्छे जीवन का झांसा देकर अपने साथ ले गए और बंधक बनाकर जबरन देह व्यापार कराने वाले गिरोह का खुलासा किया है. मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. साथ ही पटना के रामकृष्ण नगर और मुजफ्फरपुर के पताही इलाके से दो नाबालिग किशोरियों को बरामद भी किया गया है.

मुजफ्फरपुर एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के अनुसार, जांच के दौरान गिरोह का मुख्य सरगना समेत दो अन्य आरोपियों की पहचान हो गई है. हालांकि तीनों अभी फरार हैं. पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है. मामला मुजफ्फरपुर के कथैया थाना क्षेत्र से जुड़ा है. २८ फरवरी को १७ वर्षीय किशोरी के लापता होने के बाद उसकी मां ने थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी. इसके बाद पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई.जांच के दौरान पुलिस को तकनीकी साक्ष्यों से किशोरी के पटना के रामकृष्ण नगर में होने की जानकारी मिली. पुलिस टीम ने वहां छापेमारी कर किशोरी को बरामद किया और मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तार आरोपियों में वैशाली निवासी बिट्टू कुमार, कथैया निवासी शमीता कुमारी, पटना के दीघा निवासी सुजीत कुमार और रामकृष्ण नगर की मकान मालकिन गिरिजा यादव शामिल हैं. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर पुलिस को मुजफ्फरपुर के पताही इलाके में एक और किशोरी को बंधक बनाए जाने की जानकारी मिली.

इसके बाद पुलिस टीम ने पताही में छापेमारी की और दूसरी किशोरी को भी बरामद कर लिया. मौके से पुलिस ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में अनीता कुमारी, पारू निवासी आशीष कुमार और हथौड़ी निवासी भूषण झा शामिल हैं.

पुलिस के मुताबिक, किशोरी ने पूछताछ में बताया कि गांव की रहने वाली शमीता कुमारी उसे हरदी मेले से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी. आरोप है कि इसके बाद उसे मुजफ्फरपुर के एक घर में बंद कर दिया गया और जबरन देह व्यापार में धकेला गया.किशोरी के अनुसार, विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी और जान से मारने की धमकी दी जाती थी. बाद में उसे मुजफ्फरपुर से पटना ले जाया गया, जहां रामकृष्ण नगर में उसे बंधक बनाकर रखा गया.

जमुई छेड़छाड़: माता-पिता ने सीएम से की सख्त कार्रवाई की गुहार

पटना (ईएमएस): जमुई में छेड़छाड़ की शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर अपनी बेटी को परेशान करने वाले दरिंदों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री चौधरी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपील कर कहा कि अपराधियों को भी उसी डर और तकलीफ का सामना करना चाहिए, जो उन्होंने उनकी मासूम बेटी को दी है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी गिड़गिड़ा रही थी, अब उन दोषियों को भी गिड़गिड़ाना चाहिए। हालांकि, मां ने बिहार सरकार और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि २४-४८ घंटों के भीतर पहले तीन आरोपियों को पकड़ा गया और फिर एक मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को दबोच गया।

यूपी में माफिया खत्म, अब निवेश का माहौल : अमित शाह

ग्रेटर नोएडा (ईएमएस): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटी) २०२६ के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। पांच दिवसीय यह आयोजन २५ से २९ सितंबर तक चलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था और निवेश के माहौल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक समय प्रदेश में माफिया का शासन चलता था। वर्ष २०१७ में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश में माफिया को खत्म करने का काम किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि निवेश के लिए सबसे पहली प्राथमिकता अच्छी कानून-व्यवस्था है। इसके अलावा अनुकूल औद्योगिक नीति, सक्रिय सरकार और निवेशकों की मदद करने का उत्साह भी जरूरी है। उनके मुताबिक, उत्तर प्रदेश में ये चारों चीजें मौजूद हैं, इसलिए प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बेहतर होने से उद्योग और कारोबार के लिए भरोसे का वातावरण तैयार होता है। इसी के साथ सरकार की नीतियां और निवेशकों को मिलने वाली सहायता भी औद्योगिक गतिविधियों को गति देती हैं। यूपीआईटी २०२६ में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के उत्पादों और औद्योगिक क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया जा रहा है। आयोजन में २,४०० से अधिक प्रदर्शकों और ८५ देशों से ५५० से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के शामिल होने की जानकारी दी गई है।

ज्ञानेश विवाद: सहयोगी भी चिंतित चिराग ने कहा,जनता को जवाब दें

पटना (ईएमएस): मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठ रहे गंभीर विवाद पर अब केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर भी चिंता बढ़ गई हैं। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने इन आरोपों को चिंता की बात बातकर मांग की है कि ज्ञानेश कुमार को विपक्ष की मांग पर नहीं, बल्कि जनता के लिए अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री पासवान ने बल दिया कि यदि चुनावी प्रक्रिया पर ही जनता का संदेह खड़ा होगा, यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गलत होगा। उन्होंने चुनाव आयोग से अपेक्षा की कि वह अपनी बातों को मजबूती से रखे, ताकि जनता के मन में किसी भी प्रकार का संदेह न रहे। ज्ञानेश कुमार पर मुख्य रूप से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग के भीतर कथित मनमानी कार्यशैली को लेकर गंभीर आरोप लगे है। विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाकर उन्हें सरकारी गवाह बनने की सलाह दी है,

गाजीपुर में दो करोड़ की हेरोइन जब्त एक महिला सहित तीन गिरफ्तार

गाजीपुर (ईएमएस): मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) और पुलिस की संयुक्त टीम ने गाजीपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य की एक किलो १५० ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस मामले में एक महिला सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. इराज राजा ने बताया कि एएनटीएफ और नगर पुलिस की टीम नियमित जांच कर रही थी, तभी उन्हें एक कार में मादक पदार्थ ले जाने की गुप्त सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर, टीम ने तुरंत महराजगंज में गोरखपुर-वाराणसी राजमार्ग पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध कार को रोका। वाहन की तलाशी के दौरान, उसमें सवार दो पुरुषों और एक महिला के पास से १.१५ किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत दो करोड़ रुपये से अधिक है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश यादव उर्फ गामा, कृष्ण बिहारी और रीना यादव के रूप में हुई है।

पीएम मोदी से मिलने की चाह में 90 साल की हीराबा निकलीं दिल्ली

नवसारी (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की वर्षों पुरानी इच्छा लेकर नवसारी से दिल्ली के लिए अकेले निकलीं करीब ९० वर्षीय हीराबा की यात्रा मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रुक गई। सफर के दौरान भ्रम की स्थिति में वह दिल्ली के बजाय हरियाणा के गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर उतर गई। अनजान शहर में अकेली पड़ीं हीराबा के लिए हालात चिंताजनक हो गए, लेकिन उनके पास नवसारी जिला कलेक्टर कार्यालय के पीए का संपर्क नंबर था। उन्होंने तुरंत संपर्क किया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और उन्हें सुरक्षित वापस नवसारी लाया गया।

विजलपोर के संभाजीनगर क्षेत्र में रहने वाली हीराबा परिवार के बिना अकेले जीवन बिताती हैं। इसके बावजूद देश और राज्य के नेताओं के प्रति उनका आत्मीय लगाव चर्चा में है। कुछ दिन पहले नवसारी टाउन हॉल में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात के दौरान उन्होंने भावुक होकर कहा था, ये मंत्री तो मेरे बेटे जैसे हैं। इसी आत्मीयता के चलते उनके मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की इच्छा भी लंबे समय से थी।

हीराबा के मुताबिक, वह कई वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का प्रयास कर रही थीं। नवसारी दौरे के दौरान भी उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने की कोशिश की थी, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने खुद दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री से मिलने का फैसला किया और ट्रेन से अकेले दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। हालांकि, यात्रा के दौरान वह रास्ता समझने में चूक गईं और दिल्ली पहुंचने के बजाय गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर उतर गईं। यहां अनजान जगह पर अकेली पड़ने के बाद उन्होंने नवसारी जिला कलेक्टर कार्यालय के पीए को फोन किया।

जानकारी मिलते ही नवसारी जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। नवसारी जिला भाजपा अध्यक्ष भूरालाल शाह के समन्वय से हीराबा को गुरुग्राम से ट्रेन के जरिए अहमदाबाद लाया गया। इसके बाद गुजरात क्वीन ट्रेन से देर रात उन्हें नवसारी वापस पहुंचाया गया। इस तरह प्रधानमंत्री से मिलने की उम्मीद में शुरू हुई ९० वर्षीय हीराबा की लंबी यात्रा भले ही दिल्ली में अपने मुकाम तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन प्रशासन की समय पर की गई मदद से वह सुरक्षित अपने घर लौट आईं।

हीराबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की इच्छा उनके मन में कई वर्षों से है और इसी इच्छा के चलते वह अकेले दिल्ली तक जाने के लिए निकल पड़ी थीं।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की विपक्ष की मांग तेज

केरलम (ईएमएस): केरलम विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की जोरदार मांग की है। उन्होंने एसआईआर (सिस्टेमैटिक इश्यू रजिस्ट्रेशन) की प्रक्रिया को तुरंत रोकने और मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए लोगों के नाम बहाल करने की भी मांग की है। पूर्व सीएम विजयन ने कहा कि वोटर रजिस्ट्रेशन, नाम हटाने और एसआईआर से जुड़े फैसलों पर दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां चुनाव आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दोनों सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने आरोप लगाया है कि कई महत्वपूर्ण निर्णय उनसे बिना पूछे या उनकी सहमति के ही ले लिए गए। इन खुलासों के बाद से विपक्ष सीईसी को हटाने की मांग पर अड़ा है। पिनाराई विजयन ने स्पष्ट किया कि वोट देने का अधिकार भारत के लोगों का है और इसे भाजपा तथा संघ परिवार के राजनीतिक हितों को साधने के लिए बदला या इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

इस गंभीर मुद्दे को देखकर विपक्षी दलों का इंडिया ब्लॉक अब सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए नए सिरे से प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस की पहल पर विपक्षी दलों ने राज्यसभा में एक संशोधित नोटिस लाने पर सहमति जताई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, अगले दो सप्ताह के भीतर यह नया नोटिस संसद के उच्च सदन में सौंपा जाएगा, जिसमें हालिया घटनाक्रमों और नए तथ्यों को भी शामिल किया जाएगा। विपक्ष ने इससे पहले २४ अप्रैल को भी राज्यसभा में सीईसी को हटाने के लिए एक नोटिस दिया था, जिस पर ७३ सांसदों के हस्ताक्षर थे और वह अभी भी लंबित है।

हालांकि, बाद में उनमें से सात सांसदों के पाला बदलने के कारण, अब विपक्ष नए सिरे से समर्थन जुटाकर संशोधित प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है, और अब इंडिया गठबंधन के नेताओं के हस्ताक्षर जुटाए जा रहे हैं।

भारत न केवल अपनी जरूरतों बल्कि दुनिया के लिए भी तैयार कर रहा उत्पाद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 'मेक इन इंडिया' की १२वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत न केवल अपनी जरूरतों के लिए विनिर्माण कर रहा है, बल्कि दुनिया के लिए भी उत्पाद तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल इस सरल विश्वास पर आधारित एक दृष्टिकोण है कि भारत दुनिया के लिए विनिर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक उपलब्धि नहीं है। यह हमें याद दिलाती है कि जब कोई देश अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता है और सरकार निरंतर सुधारों और ठोस कदमों के जरिए उस विश्वास को मजबूती देती है, तो क्या कुछ हासिल किया जा सकता है।

गोयल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि २०१४ को पीछे मुड़कर देखें तो भारत की विनिर्माण क्षमता को लेकर होने वाली बहसें याद आ सकती हैं। उस समय भारत में इस्तेमाल होने वाले कई उत्पाद आयात किए जाते थे। पीएम मोदी ने इसे हमारी नियति मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहां दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले उत्पाद गर्व से 'मेड इन इंडिया' का टैग लगाएंगे और अपनी गुणवत्ता के लिए पहचाने जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने नियमों को सरल बनाया है और अनुपालन का बोझ कम किया है। वहीं, प्रमुख क्षेत्रों में किए गए सुधारों ने निवेश और विनिर्माण के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। पीएलआई योजनाओं ने इसमें और गति दी है। ३१ मार्च २०२६ तक इन योजनाओं के तहत २.४० लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश हुआ, २३.८ लाख करोड़ रुपए का उत्पादन/बिक्री दर्ज की गई और १५.२ लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। साथ ही, १४.६ लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उस आत्मविश्वास की कहानी है, जो इस पहल ने पैदा किया है। हमारे स्टार्टअप संस्थापकों, उद्यमियों, निर्माताओं, नवोन्मेषकों, निर्यातकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे लोगों में यह विश्वास पैदा हुआ है कि भारत बना सकता है, भारत नवाचार कर सकता है और भारत दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।' गोयल ने जोर देकर कहा कि मेक इन इंडिया की यात्रा जारी है और अब इसका लक्ष्य और भी बड़ा है जिसमें भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनाना शामिल है, जो २०४७ तक विकसित भारत के हमारे विजन को भी मजबूत करेगा।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

पानीपत(ईएमएस)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीडऩ मामले में बरी किए जाने के खिलाफ ४ महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के ३ अगस्त २०२६ के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीडऩ की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि यौन हिंसा की पीड़िता को घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं. : 1, ई.निविदा सं० : इ.सी.आर.–सी.ए.ओ.–सी/एस/इ.टी.इ.एन–एच.जे.ड.एम.इ.–09, कार्य का नाम : Dy. CE/HZME-1 के तहत ECR के धनबाद डिवीजन के PKA-MPO सेक्शन के बीच तीसरी और चौथी मल्टीट्रैक परियोजना में गोमोह (CH 300.15) से कोडरमा (CH 393.55) तक स्टेशन बिल्डिंग, EI बिल्डिंग, अन्य बिल्डिंग, प्लेटफार्म, FOB, PP शेल्टर का निर्माण, मौजूदा बिल्डिंग और अन्य ढांचों को हटाना, और अन्य सहायक सिविल कार्य जैसे ब्रेन का काम, रिटेनिंग/बाउंड्री वॉल, सड़क का काम आदि। आंकलित मूल्य (रू) : 62,74,72,054.92, बोली प्रतिभूति (रू.) : 1,25,49,500.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 12 (बारह) महीना।

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/1
पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग

पीआर/0993/कौन एमओबीआर/सीओएनएसटी/टी/26-27/26

अक्टूबर में 16 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली(ईएमएस): अगले महीने यानी अक्टूबर में देश के सरकारी और प्राइवेट बैंक अलग-अलग शहरों में कुल १६ दिन बंद रहेंगे। इसमें ४ रविवार और २ शनिवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। आरबीआई ने अक्टूबर महीने के लिए बैंक छुट्टियों की लिस्ट जारी की है। अलग-अलग राज्यों और स्थानीय त्योहारों के आधार पर बैंकों की छुट्टियां तय होती हैं। २ अक्टूबर को गांधी जयंती पर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। ब्रांच बंद रहने के बावजूद ग्राहक अपने बैंकिंग काम ऑनलाइन निपटा सकेंगे। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम, एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी सर्विसेज हर दिन २४ घंटे चालू रहती हैं।

तेजपाल की सजा को चुनौती देने वाली याचिका पर गोवा सरकार को नोटिस जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस): अपनी सहयोगी के यौन शोषण मामले में दोषी तहलका पत्रिका के पूर्व मुख्य संपादक तरुण तेजपाल की सजा को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नोटिस जारी किया है। तरुण तेजपाल ने बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से दी गई १० साल की सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए गोवा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेजपाल के वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तेजपाल ने सरेंडर कर दिया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय करेगा। ६ अगस्त २०२६ को बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने २०१३ के एक मामले में निचली अदालत के फैसले को पलट दिया था। यह मामला एक होटल की लिफ्ट में जूनियर महिला सहयोगी के साथ दुष्कर्म का था। निचली अदालत ने तेजपाल को बरी कर दिया था लेकिन हाईकोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए १० साल की सजा सुनाई।

सहियाओं को समय पर भुगतान, एनएचएम कर्मियों को ईपीएफ की तैयारी:स्वास्थ्य मंत्री

रांची (एजेंसी): झारखंड के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली सहियाओं और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए अच्छी खबर है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान सहियाओं के बकाए और सुविधाओं को लेकर कई अहम फैसले लिए हैं।

अब नहीं होगी भुगतान में देरी

बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सहियाओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के भुगतान में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज बनाने के लिए अब यह राशि किसी बिचौलिए या लंबे प्रोसेस के बजाय राज्य मुख्यालय से सीधे सहियाओं के बैंक खातों में भेजी जाएगी।

हाईटेक होंगी सहिया, संविदा कर्मियों को भी राहत

सहियाओं के काम को आसान और आधुनिक बनाने के लिए उन्हें जल्द ही नए टैब दिए जाएंगे, जिससे वे गांव-गांव जाकर डेटा आसानी से दर्ज कर सकें।

अनुबंध (संविदा) पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों के मानदेय का भुगतान भी अब सीधे राज्य स्तर से करने की तैयारी चल रही है।

एनएचएम के तहत काम कर रहे कर्मचारियों को अब भविष्य निधि का लाभ दिया जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों में डॉक्टरों के खाली पड़े पदों को भी जल्द से जल्द भरने के निर्देश दिए हैं ताकि आम जनता को बेहतर इलाज मिल सके।

27 को चिकित्सा से जुड़े हर संवर्ग की महत्वपूर्ण बैठक

रांची (एजेंसी): २७ सितंबर को रांची में चिकित्सा से जुड़े हर संवर्ग के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। आईएमए हॉल बरियातु में दिन के ११.३० बजे से होने वाली इस बैठक में सरकारी और निजी अस्पतालों के चिकित्सक, जूनियर डॉक्टर, नर्सिंग से जुड़े स्टाफ, मेडिकल छात्र और विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बैठक में मुख्य रूप से चिकित्सा और इससे जुड़े कर्मियों और संस्थानों की समस्याओं पर विचार किया जाएगा। सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं पर विचार-विमर्श के बाद सरकार से उसे पूरा करने की मांग की जाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग रांची में सीपीआई (एमएल) का प्रदर्शन; पुतला फूंका

रांची (एजेंसी): मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर देशभर में सियासी विवाद तेज है। इस्तीफे की मांग के बीच शुक्रवार की शाम रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर सीपीआई(एमएल) के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की गई। उनका कहना था कि चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने भी कई फैसलों को लेकर लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं, बावजूद इसके उन पर कार्रवाई नहीं हुई।

एसआईआर को तत्काल देशभर में रोकने की मांग

सीपीआई (एमएल) कार्यकर्ताओं ने एसआईआर को तत्काल देशभर में रोकने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ-साथ चुनाव आयोग, केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफ भी नारेबाजी की।

हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, चुनाव आयुक्त एसएस संधू और विवेक जोशी ने पिछले १० महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों पर १४ बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज की थीं। वहीं, चुनाव आयोग का कहना है कि ऐसे मतभेद संस्थागत विवेचना का हिस्सा हैं और महत्वपूर्ण फैसले आयोग ने सर्वसम्मति से लिए हैं।

आज रांची के सभी स्कूल बंद रहेंगे

रांची (एजेंसी): भारी बारिश के अलर्ट के मद्देनजर २६.०९.२६ को डीसी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिला में संचालित सभी कोटि के सरकारी/गैर सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में वर्ग-घन्न से वर्ग-१२ तक के विद्यालय को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम २००५ की धारा-३४ के तहत दिया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत मौसम विज्ञान केन्द्र झारखण्ड, रांची के विशेष बुलेटिन दिनांक २५.०९.२०२६ को भारी बारिश के परिप्रेक्ष्य में येलो जोन की श्रेणी में रांची जिला को चिन्हित करते हुए भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। जिसके आलोक में जिला प्रशासन द्वारा स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। हालांकि, सभी कोटि के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उक्त अवधि में ई-विद्यावाहिनी में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए गैर-शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे।

जैप के बर्खास्त कर्मचारियों को मिलेगा पूरा बकाया वेतन:हाईकोर्ट

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट आर्म्ड पुलिस (जैप) में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के पद पर बहाल दिकेश कुमार और अन्य याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत दी है। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि सेवा समाप्ति से लेकर पुनर्बहाली तक की पूरी अवधि का बकाया वेतन और सभी परिणामी सेवा लाभ याचिकाकर्ताओं को आठ सप्ताह के भीतर दिए जाएं। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद उन कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें सरकारी आदेश के कारण लंबे समय तक सेवा से बाहर रहना पड़ा था।

पूरा मामला वर्ष २०१६ में झारखंड आर्म्ड पुलिस (जैप) में हुई चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की नियुक्तियों से जुड़ा है। नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अनियमितता की शिकायतें सामने आने के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त कर दिया था और नियुक्त किए गए कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई थीं। सरकार के इस फैसले के खिलाफ प्रभावित कर्मचारियों ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और रिट याचिका दाखिल की।

हाईकोर्ट ने सेवा समाप्ति का आदेश किया था रद्द

मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की अदालत में हुई। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को उनकी सेवा से जुड़े परिणामी लाभ दिए जाने का भी आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने याचिकाकर्ताओं को दोबारा सेवा में बहाल कर दिया। हालांकि, सरकार ने बर्खास्तगी और पुनर्बहाली के बीच की अवधि का वेतन देने से इनकार कर दिया।

सरकार ने 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का दिया तर्क

राज्य सरकार की ओर से बकाया वेतन नहीं देने के लिए 'काम नहीं तो वेतन नहीं' के सिद्धांत का हवाला दिया गया। सरकार का तर्क था कि जिन कर्मचारियों ने संबंधित अवधि में काम नहीं किया, उन्हें उस अवधि का वेतन नहीं दिया जा सकता। सरकार के इस निर्णय के बाद दिकेश कुमार और अन्य याचिकाकर्ताओं ने एक बार फिर हाईकोर्ट का रुख किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ताओं ने कहा- सेवा से बाहर रहना उनकी गलती नहीं थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत में दलील दी गई कि जिस अवधि में वे सेवा से बाहर रहे, उसमें उनकी कोई गलती या स्वैच्छिक भूमिका नहीं थी। उन्हें सरकार के आदेश के कारण सेवा से बाहर होना पड़ा था। ऐसे में उस अवधि के लिए वेतन से वंचित करना उचित नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी कहा गया कि हाईकोर्ट पहले ही सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर चुका था और संबंधित आदेश अंतिम हो चुका था। राज्य सरकार ने उस फैसले को अपील में चुनौती भी नहीं दी थी।

हाईकोर्ट ने सरकार के तर्क को किया खारिज

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 'काम नहीं तो वेतन नहीं' वाले तर्क को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सेवा समाप्ति से लेकर पुनर्बहाली तक की पूरी अवधि का बकाया वेतन और सभी परिणामी सेवा लाभ उन्हें दिए जाएं। अदालत ने सरकार को इस आदेश का पालन आठ सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है।

100 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों अपग्रेड होंगे, 600 चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ की होगी जरुरत

रांची (एजेंसी): राज्य के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अजय कुमार सिंह ने आज वीडियो कंफ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के सिविल सर्जनों के साथ बैठक की। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों को अपग्रेड करने पर विमर्श किया गया।

बैठक में पदों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने सभी सिविल सर्जनों को अपने जिले के अस्पतालों की मौजूदा स्थिति का आकलन कर पदों के पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार कर १० दिनों के भीतर विभाग को भेजने का निर्देश दिया। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और दूसरे जरूरी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का सैद्धांतिक निर्णय लिया गया। बताया गया कि राज्य के १०० सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करने पर ६०० चिकित्सकों की जरुरत होगी।

जिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड किया जाएगा, उनमें रांची जिले के बुंडू, नामकुम, सिल्ली, रातू, कांके और मांडर के सीएचसी को अपग्रेड करने पर विचार किया गया। इसके अलावा तोपचांची, बरही, निरसा, हंसडीहा, बुंडू और चैनपुर में स्वास्थ्य केंद्रों को ट्रॉमा सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई। बैठक में ३० बेड और ५० बेड वाले प्रस्तावित एमसीएच केंद्रों के साथ १०० बेड वाले जिला अस्पतालों के लिए भी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा सहिया और संविदाकर्मियों को नियमित भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला, सीमा कुमारी उदयपुर समेत विभाग के अन्य अधिकारी और सभी जिलों के सिविल सर्जन मौजूद रहे।

सरकारी विभागों में नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा होगी मजबूत

रांची (एजेंसी): सरकारी सेवाओं में नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता मजबूत करने के लिए शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित न्यू ऑडिटोरियम में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, २०२३ और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स, २०२५ पर कार्यशाला हुई। सी-डैक, कोलकाता और झारखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के समन्वय से आयोजित कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को डेटा संरक्षण कानून के प्रावधानों और अनुपालन की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी।

व्यक्तिगत डेटा की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी

आईटी निदेशक माधवी मिश्रा ने कहा कि नागरिक सरकार पर भरोसा कर अपना व्यक्तिगत डेटा साझा करते हैं और इस विश्वास की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के विस्तार के साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता से जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। अधिकारियों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी है।

कार्यशाला में डेटा प्रोसेसिंग से जुड़े कानूनी प्रावधानों, डेटा फिड्यूशियरी के दायित्वों और डेटा प्रिंसिपल के अधिकारों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर जोखिम और डेटा उल्लंघन की चुनौतियों से निपटने के उपायों की जानकारी दी। केस स्टडी, प्रेजेंटेशन और इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से अधिकारियों को कंसेंट मैनेजमेंट, शिकायत निवारण, डेटा उल्लंघन और प्राइवेसी-बाय-डिजाइन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गयी।

पारा शिक्षकों की बर्खास्तगी रद्द, अप्रैल 2025 से मिलेगा रुका हुआ मानदेय : हाईकोर्ट

रांची (एजेंसी): झारखंड के पारा शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। हाईकोर्ट ने पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा अधीक्षक के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसके तहत कई पारा शिक्षकों को काम से निकाल दिया गया था और उनका मानदेय रोक दिया गया था। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया। इसके साथ ही, कोर्ट ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिया है कि प्रभावित पारा शिक्षकों को अप्रैल २०२५ से बकाया मानदेय का जल्द से जल्द भुगतान किया जाए।

मामले की शुरुआत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के एक निर्देश से हुई थी। परिषद ने ७ नवंबर २०२५ को एक पत्र जारी किया था। इसमें कहा गया था कि जिन शिक्षकों के पास हिंदी विद्यापीठ देवघर, प्रयाग महिला विद्यापीठ इलाहाबाद या हिंदी महिला विद्यापीठ इलाहाबाद जैसे संस्थानों से मैट्रिक व इंटर के प्रमाण पत्र हैं, उनकी योग्यता अमान्य है। इसी पत्र के आधार पर पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा अधीक्षक ने कक्षा १ से ८ तक पढ़ाने वाले इन पारा शिक्षकों को सेवामुक्त करने और उनका मानदेय रोकने का आदेश दे दिया था।

बर्खास्तगी के इस आदेश के खिलाफ मेरी मुर्मू और अन्य पारा शिक्षकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पक्ष रखा और उडए के आदेश को पूरी तरह से गलत बताते हुए रद्द करने की मांग की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर अब कोर्ट ने शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाया है। इस फैसले से राज्यभर के प्रभावित शिक्षकों ने राहत की सांस ली है।

फिर दीपिका पांडेय सिंह के आवास पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन, बंधाया ढाढ़स

रांची (एजेंसी): अपने औलाद को खोने का दुख किसी भी परिवार के लिए असहनीय होता है। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह अपनी छोटी बेटी के खोने से बदहवास हैं। उनका पूरा परिवार गहरे शोक से गुजर रहा है। दीपिका पांडेय सिंह को ढाढ़स देने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शुक्रवार को भी उनके आवास गए। सीएम हेमंत सोरेन करीब एक घंटे तक वहां रुके और परिजनों के साथ समय बिताया. सांत्वना दी. समझाया. कहा कि नियती के सामने सभी मजबूर हैं।

अर्जुन मुंडा, नवीन जायसवाल और अनंत ओझा भी पहुंचे

बता दें कि बुधवार देर रात जमशेदपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में दीपिका पांडेय सिंह की छोटी बेटी समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। मंत्री की बड़ी बेटी भी ऑस्ट्रेलिया से वापस लौट आई हैं। इस समय परिवार के लोग पीड़ा की पराकाष्ठा से गुजर रहे हैं। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी का गुरुवार को रांची में अंतिम संस्कार किया गया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को भी अंतिम विदाई देने पहुंचे थे। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा विधायक नवीन जायसवाल और पूर्व विधायक अनंत ओझा समेत कई नेता भी शुक्रवार को दीपिका पांडेय सिंह के आवास पहुंचे। उन्होंने अपनी संवेदना व्यक्त की।

तूफान 'अर्नब' से जमशेदपुर में बाढ़ जैसे हालात स्वर्णरेखा-खरकई खतरे के निशान से ऊपर

700 घरों में घुसा पानी 26 को 12वीं तक के सभी स्कूल बंद

जमशेदपुर (एजेंसी): बंगाल की खाड़ी में उठे 'अर्नब' चक्रवाती तूफान के प्रभाव से जमशेदपुर में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर में बाढ़ जैसी भयावह स्थिति पैदा कर दी है। शुक्रवार को केवल १२ घंटों के भीतर ६४.६ मिमी बारिश दर्ज की गई, जो इस मानसून सीजन में १२ घंटे की सबसे तेज बारिश है। इसके चलते स्वर्णरेखा और खरकई नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। नदियों के उफान पर आने से शहर के एक दर्जन से अधिक इलाकों के करीब ७०० घरों में पानी घुस चुका है।

बाढ़ का सबसे गंभीर असर निचले इलाकों में देखने को मिल रहा है। बागबेड़ा, भुइंयाडीह और शास्त्रीनगर के कई घरों में दो से तीन फीट तक पानी जमा हो गया है। हालात बिगड़ने पर लोग अपने पशुओं और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित व ऊंचे स्थानों पर पलायन करने को मजबूर हैं। प्रभावित लोगों का आरोप है कि जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक पर्याप्त राहत सामग्री और सुरक्षित स्थान मुहैया नहीं कराए गए हैं।

जमशेदपुर में नदी और नाले का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। बागबेड़ा न्यू बस्ती में स्लुइस गेट नहीं होने से १०० से अधिक घरों में पानी घुस गया। भुइंयाडीह में स्वर्णरेखा नदी किनारे ५० से अधिक घर प्रभावित हैं, जबकि कई मकानों की पहली मंजिल डूबने से लोग दूसरी मंजिल पर शरण लिए हैं। शास्त्रीनगर में ६० से अधिक घर जलमग्न हैं। मानगो के चाणक्यपुरी, कुंवर बस्ती और हड्डी गोदाम क्षेत्र में ५० से अधिक घरों में पानी घुसा है, वहीं कपाली में दो दर्जन घर प्रभावित हैं। बर्मामाइंस, बारीडीह, रिफ्यूजी कॉलोनी, टेल्को, सोनारी और आदित्यपुर में भी १५० से अधिक घर जलमग्न हैं। टैगोर एकेडमी, साकची और जुगसलाई अंडरब्रिज में भी जलभराव से आवागमन प्रभावित है।

सभी डैम के गेट खोले गए

लगातार वर्षा के कारण चांडिल डैम के सभी १३ गेट और सीतारामपुर डैम का गेट खोल दिया गया है, जबकि डिमना डैम के चार गेट भी खोले जाएंगे। बारिश के चलते सरकारी स्कूलों में ४०%, बाजारों में ४०-४५%, बैंकों में २०-३०% और कार्यालयों में २०% तक उपस्थिति कम दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान २७.२ डिग्री और न्यूनतम २४.४ डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग रांची केंद्र के निदेशक अभिषेक आनंद के मुताबिक, अगले २४ घंटे जमशेदपुर सहित झारखंड के अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी रहेगी, हालांकि लो-प्रेशर कमजोर पड़ने से आगे रफ्तार थमेगी।

हवा का एक झोंका खोल रहा है राजधानी में निर्बाध बिजली आपूर्ति का दावा

रांची (एजेंसी): अरबों रुपये खर्च करने के बाद भी राजधानी रांची में हवा का एक झोंका बिजली आपूर्ति को ठप कर देता है। मुहल्लों में बिजली आपूर्ती घंटो तक बाधित हो जाती है, बिजली के पोल और तार सड़क पर गिर जाते हैं। कई इलाके और मुहल्लों में अंधेरा छा जाता है।

२३ सितंबर से हो रही बारिश और तेज हवाओं का असर राजधानी रांची और पूरे झारखंड में दिखाई दे रहा है। राजधानी रांची के कई इलाकों में पेड़ गिरने, बिजली के पोल क्षतिग्रस्त होने और बिजली लाइनों में फॉल्ट आने के कारण लोगों को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है। घंटों बाद बिजली आपूर्ति चालू नहीं होसकी है। बारिश की मार ने बिजली वितरण निगम के उस दावे को खोखला साबित कर दिया है, जिसमें २४ घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति का सुनहरा सपना दिखाया जाता था।

इस परेशानी से निजात दिलाने के लिए सात साल पहले रांची में अंडरग्राउंड केबलिंग की नींव रखी गई थी। करीब ४५० करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य तारों के जंजाल से शहर को मुक्ति दिलाना था। लेकिन आज भी यह काम अधूरा है। आज भी शहर के बड़े हिस्से में खुले तार और जर्जर बुनियादी ढांचा जस का तस खड़े हैं। हर साल रिपेयर और मेंटेनेंस के नाम पर ३०० से ४०० करोड़ खर्च किए जाते हैं। इसके बावजूद कोई खास करिशमा देखने को नहीं मिलता। बिजली कटने पर फोन करो तो कहा जाएगा कि सुरक्षा कारणों से और पेड़ों की डालियां गिरने से बिजली काटी गई है। हर साल करोड़ों रुपये मेंटेनेंस पर खर्च होते हैं, पर ज़रा सी हवा और बारिश में पूरा सिस्टम हांफने लगता है।

एक तरफ आम आदमी बिजली कटने से परेशान है तो दूसरी तरफ बिजली विभाग के अधिकारी एसी कमरों में बैठकर हर दिन बैठकें करते रहते हैं। इन बैठकों से पावर स्टेशनों पर लोड कंट्रोल करने और बिजली स्टोर करने के बड़े-बड़े दावे तो किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर नतीजा पूरी तरह फेल रहता है।

इसका खामियाजा सीधे तौर पर आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। फिलाहल बिजली विभाग की टीमें प्रभावित इलाकों में आपूर्ति बहाल करने के लिए काम कर रही हैं। बिजली आपूर्ति पर सबसे ज्यादा असर पेड़ों के बिजली तारों पर गिरने और पोल टूटने से पड़ा है। विभाग के अनुसार लगातार बारिश और तेज हवा के कारण कुछ इलाकों में विद्युत संरचना को नुकसान पहुंचा, जिसके बाद मरम्मत और बहाली का काम शुरू किया गया। २६ सितंबर को भी बारिश या गरज के साथ बौछारों की संभावना जताई गई है, जबकि कुछ स्थानों पर तेज हवा और वज्रपात की चेतावनी भी है। ऐसे में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अगले कुछ दिन महत्वपूर्ण रहेंगे। यह सब स्थिती तब है जब गर्मी का मौसम शुरु होने से पहले ही बिजली विररण निगम लिमिटेड आने वाले तूफान और वर्षा को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर लेने का दावा करता है। प्रतिवर्ष इस पर राज्य में अरबों रुपये खर्च भी किए जाते हैं।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

- स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।
- डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।
- बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

- बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।
- उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।
- उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत: इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया।स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि: पहलवान की जगह शूटर बन गईं

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था।इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे।दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही

क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बड़ा उलटफेर: अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्स: मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट

लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा।

इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले।

भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया।

महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तानः बलूच लड़ाकों ने 25 हमलों में मारे 18 पाकिस्तानी सैनिक

क्वेटा, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने गुरुवार को पिछले कुछ दिनों में पूरे बलूचिस्तान में 25 ऑपरेशनों की जिम्मेदारी ली है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी बलों को निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 18 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। द बलूचिस्तान पोस्ट को जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 14 से 23 सितंबर के बीच प्रांत के कई हिस्सों में हमले किए, जिनमें पंजगुर, केच, खारान, खुजदार, मस्तुंग, वाशुक, नुश्की और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अभियानों के दौरान बीएलए ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों और चौकियों, निगरानी ढांचे, आपूर्ति मार्गों और जिसे समूह ने 'डेथ स्क्वॉड' बताया, उस पर हमला किया। बयान के अनुसार, बीएलए ने 22 सितंबर को क्वेटा के पास दश्त के टेरा माइल इलाके में पैदल गश्त के दौरान सेना के बम निरोधक दस्ते के सदस्यों को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। समूह ने दावा किया कि हमले में एक पाकिस्तानी जवान की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बीएलए ने कहा कि उसी दिन लड़ाकों ने खुजदार में बागबाना पुलिस स्टेशन पर कब्जा कर लिया और वहां रखे हथियारों और उपकरणों को जब्त कर लिया। समूह ने कहा कि बाद में पुलिस एंटी-टेररिस्ट फोर्स (एटीएफ) के कर्मी, 'डेथ स्क्वॉड' के सदस्यों के साथ इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन पर हमला किया गया। उसने कहा कि कथित सशस्त्र समूह के कई सदस्य मारे गए और थानाध्यक्ष (एसएचओ) मुनीर आलम जट्टक सहित पुलिस कर्मी घायल हो गए। बीएलए के अनुसार, उसके लड़ाकों ने 20 सितंबर को नुश्की में बाईपास रोड पर शहीद बालाच खान स्टेडियम के पास पाकिस्तानी सैन्य बलों को भी निशाना बनाया, जिसमें दो जवान मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उसने आगे दावा किया कि बुलेदा के कोश्क इलाके में एक सैन्य चौकी पर ग्रेनेड-लॉन्चर से कई राउंड फायरिंग की गई। समूह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 21 सितंबर को मांड में रादिग पर कब्जा कर लिया, प्रमुख स्थानों पर नाकाबंदी की और भारी और स्वचालित हथियारों का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना के मुख्य शिविर पर हमला किया। इससे पहले, 18 सितंबर को, उसने दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने मांड में बलोचाबाद और बुल्लो पर कब्जा कर लिया, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया, और ऑपरेशन के दौरान क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया। बीएलए ने आरोप लगाया कि बाद में पाकिस्तानी बलों ने नागरिक बस्तियों को निशाना बनाने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए, जबकि उसके लड़ाकों ने एक ड्रोन को मार गिराया। समूह ने बलूचिस्तान के संसाधनों के शोषण, कथित राज्य समर्थित सशस्त्र समूहों और पाकिस्तान की 'शोषणकारी नीतियों' के खिलाफ अपने अभियानों को जारी रखने की कसम खाई। बयान में कहा गया, 'हमारे लड़ाकों द्वारा दिए गए ये बलिदान और आर्थिक नाकेबंदी की रणनीति हर मोर्चे पर कब्जा करने वाली सेना को हार का सामना करा रही है। स्वतंत्र और संप्रभु बलूचिस्तान की स्थापना होने तक पाकिस्तान के खिलाफ बीएलए का सशस्त्र संघर्ष जारी रहेगा।'

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर झड़प, बढ़ा तनाव; तालिबान के कई सदस्यों को मारने का दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे गुलिस्तान सेक्टर में अफगान तालिबान के कथित हमले को नाकाम करने का दावा किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस कार्रवाई में तालिबान के कई सदस्यों को मार गिराया। यह घटना दोनों पड़ोसी देशों के बीच करीब तीन महीने तक अपेक्षाकृत शांति रहने के बाद फिर बढ़े तनाव के बीच हुई है। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक पुलिस प्रतिष्ठान पर हमला हुआ था, जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की वायुसेना ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर हमला किया था। इस्लामाबाद का कहना था कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। दोनों देशों के बीच फरवरी में भी संघर्ष हुआ था। इसके बाद तनाव जारी रहने के दौरान मार्च में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी।

व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग के लिए ट्रम्प का भव्य स्टेट डिनर : मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में एक भव्य 'स्टेट डिनर' (राजकीय भोज) की मेज़बानी की। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक गर्मजोशी के बीच आयोजित इस डिनर में न केवल राजनीतिक बल्कि वैश्विक व्यापार और टेक जगत के सबसे बड़े चेहरे एक छत के नीचे नज़र आए। मेलानिया ट्रम्प ने तैयार किया मेन्यूः अमेरिकी और चीनी स्वाद का संगमस्टेट डिनर का विशेष मेन्यू अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प की देखरेख में तैयार किया गया, जिसमें अमेरिकी और एशियाई व्यंजनों का बेहतरीन संतुलन दिखाः

सूपः डिनर की शुरुआत पीले स्क्वैश से बने गाढ़े सूप से हुई, जिसमें जंगली मशरूम, ताज़ी जड़ी-बूटियां, कुरकुरा पैनसेटा और हरे प्याज का तेल शामिल था। मुख्य व्यंजनः तिल की परत वाली खास 'सी-बास' मछली परोसी गई। इसके साथ चीन में बेहद लोकप्रिय हरी सब्जी 'बोक चॉय', भुना हुआ बैंगन और विशेष हरी चटनी दी गई।

मिठाई (डेज़र्ट): मीठे में वनीला फ्लेवर

की नरम क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम पेश की गई। इस आइसक्रीम में व्हाइट हाउस के बगीचों में तैयार किया गया प्राकृतिक शहद इस्तेमाल हुआ।

डिनर में अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों और सिलिकॉन वैली के शीर्ष टेक दिग्गजों ने शिरकत कीः शामिल प्रमुख हस्तियां: टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क, अमेज़न के जेफ बेजोस, गूगल (अल्फाबेट) के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन व ग्रेग ब्रॉकमैन, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग तथा डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल मौजूद रहे। चर्चा के केंद्रः ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन आयोजन स्थल के बाहर प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देते दिखे, जबकि एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग अपने चिर-परिचित काले लेदर जैकेट के स्थान पर ब्लैक टक्सीडो पहनकर पहुंचे। संबंधों की तारीफ करते हुए कहाः मजबूत जन-संबंधः 'भले ही हमारी राजनीतिक व्यवस्थाएं भिन्न हों, लेकिन दोनों देशों के नागरिकों के बीच रिश्ते बेहद प्रगाढ़ हैं। आज दोनों देशों के संबंध पहले से कहीं बेहतर स्थिति में हैं।' उन्होंने अपने बीजिंग दौरे के भव्य स्वागत को याद करते हुए जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देने की बात कही। विशेष उपहारः ट्रम्प ने शी जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी 'बाल्ड ईगल' (ढ्ढड्डद्यस्र श्वड्डद्दद्यद्ग) की लगभग 3 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा उपहार में दी और कहा कि यह अमेरिका की आजाद व ऊंची उड़ान भरने वाली चेतना का प्रतीक है। स्टेट डिनर से ठीक पहले व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दोनों नेताओं के बीच करीब दो घंटे तक गहन द्विपक्षीय बातचीत हुई, जो निर्धारित समय से एक घंटा अधिक चली। बंद कमरे में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , व्यापार संतुलन, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मीडिया की एंट्री को लेकर हुए इस विवाद का असर ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात की टीवी कवरेज पर भी पड़ा। अमेरिका के कई बड़े टीवी नेटवर्क ने दोनों नेताओं की शुरुआती मुलाकात का लाइव प्रसारण नहीं किया। इसी दौरान ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने चीनी पत्रकारों को लेकर मजाक करते हुए कहा कि चीन की मीडिया सबसे दोस्ताना है। डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं। ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है। इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया।

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट किया, हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

लेबनान- हिजबुल्लाह को पेजर अटैक की याद दिलाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधियों ने हूटिंग करके उनका विरोध किया, फिर बाहर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। फिर उन्होंने कहा, भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए। हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए। नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ, न्यूयॉर्क मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की। गाजा- इजराइली सेना के हमले का बचाव नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जिक्र करते हुए इजराइल की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने जिस तरह इजराइलियों को मारा, वह बेहद भयावह था। ऐसी भयावहता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नेतन्याहू ने आगे कहा, दुश्मनों को लगा

था कि इजराइल टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम उठे और शेरों की तरह लड़े। नेतन्याहू ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा झूठ बताया। नेतन्याहू ने कहा, 'इजराइल ने नरसंहार नहीं किया। इजराइल ने नरसंहार को रोका। अगर हमास के समर्थकों को मौका मिलता तो वे हर यहूदी को मार देते।' नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ की गई उस कार्रवाई का भी जिक्र किया, जिसमें संगठन के सदस्यों के पास मौजूद पेजर में धमाके हुए थे। उन्होंने कहा, क्या आपको पेजर याद हैं? हिजबुल्लाह को तो जरूर याद होंगे। 17 सितंबर 2024 को लेबनान और सीरिया में हजारों पेजर एक साथ फटे थे, जिससे 3,000 से अधिक लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत हो गई थी। नेतन्याहू ने ईरान की मिसाइलों के खतरे का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मौजूद लोगों से सवाल किया कि अगर एक टन की ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल इस इमारत पर गिर जाए तो क्या होगा। इससे पूरा इलाका तबाह हो सकता है। उन्होंने ईरान के नेताओं को 'तेहरान का तानाशाह' बताया और कहा कि वे अपने ही लोगों से डरते हैं। उन्होंने इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का एक डिवाइस दिखाया और कहा कि इससे ईरान के लोग खुलकर अपनी बात कह सकते हैं। नेतन्याहू ने आगे कहा कि वे यह डिवाइस ईरानी डेलीगेशन के लिए छोड़कर जाएंगे। अगर वे अपनी सरकार के खिलाफ हो जाएं या उसका साथ छोड़ दें, तो स्टारलिंक के जरिए इंटरनेट चला सकेंगे।

यूएन में शहबाज शरीफ से हाफिज सईद पर सवाल, मुंह छिपाते नजर आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी वो मुंह छिपाते हुए चलते चले गए।

शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यूएन में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी

रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को फिर चर्चा में ला दिया।

हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है।

इसके अलावा अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है।

रूस सिर्फ युद्धविराम को नहीं बल्कि वैश्विक शांति को बाधित करने के लिए वीटो कर रहाः यूक्रेन विदेश मंत्री

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 में से 14 सदस्य देश युद्ध समाप्त करने के पक्ष में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस रुख का विरोध करने वाला एकमात्र देश खुद रूस है। विदेश मंत्री के मुताबिक, रूस अपनी वीटो पावर (निषेधाधिकार) का इस्तेमाल सिर्फ युद्धविराम रोकने के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति को बाधित करने के लिए कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह संघर्ष केवल यूक्रेन या यूरोप तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा है। यूक्रेन पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए पूरी तरह तैयार है। सिबिहा ने सोशल मीडि?या प?लेटफॉर्म 'एक?स' पोस?ट में कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य हैं। इनमें से 14 सदस्य किसी न किसी रूप में तुरंत युद्धविराम का समर्थन करते हैं। इनमें चार स्थायी सदस्य भी शामिल हैं। सिर्फ एक देश लड़ाई खत्म होने की राह में रुकावट डाल रहा है और वह खुद हमलावर देश है।'' सिबिहा ने कहा कि रूस सिर्फ युद्धविराम को वीटो नहीं कर रहा, बल्कि शांति को वीटो कर रहा है। पुतिन इस युद्ध को बहुत पहले खत्म कर सकते थे, लेकिन वह हर दिन तनाव और लड़ाई को और बढ़ाने का रास्ता चुन रहे हैं। उन?होंने कहा कि यह युद्ध रुकना चाहिए। यूक्रेन इसे अभी खत्म करना चाहता है। हम पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए तैयार हैं। हम ऊर्जा और खाद्य से जुड़े मामलों में भी युद्धविराम के लिए तैयार हैं। हम इसी वक्त, यहीं रुकने के लिए तैयार हैं।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पत्तेः रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अच्छे दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है।

शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही।

खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच भारत-नेपाल संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग की प्रगति पर चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। यह बातचीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई। भारत और चीन के बीच संतुलन को लेकर पूछे गए सवाल पर खनाल ने कहा कि नेपाल अब रिश्तों को केवल वैचारिक नजरिए से देखने के बजाय व्यावहारिक सहयोग पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने

कहा कि पड़ोसी देशों के साथ सीमा जैसे विवादित मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन नेपाल का मौजूदा तरीका यह देखने का है कि सहयोग के कौन-कौन से अवसर मौजूद हैं। भारत के साथ ऊर्जा व्यापार को उन्होंने इसी व्यावहारिक नीति का उदाहरण बताया। खनाल ने कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए ऊर्जा और व्यापार में सहयोग उसके लिए महत्वपूर्ण है।

खनाल ने कहा कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसके लिए बड़ी आर्थिक संभावना बन सकती है। उन्होंने भारत के साथ 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा का जिक्र किया। यह सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से जुड़ती है। उन्होंने बताया कि नेपाल के पास आर्थिक रूप से उपयोगी करीब 43 गीगावाट जलविद्युत क्षमता है और देश 2035 तक 28,000 मेगावाट तक पहुंचने की दिशा में काम करना चाहता है। इससे भारत और आगे बांग्लादेश को स्वच्छ बिजली निर्यात करने की संभावना है।

खनाल ने कहा कि नेपाल खुद को केवल भारत और चीन के बीच स्थित छोटे देश के रूप में नहीं देखता। उनका कहना है कि दोनों बड़े पड़ोसियों का आकार भौगोलिक सच्चाई है, लेकिन यह नेपाल की महत्वाकांक्षाओं की सीमा नहीं बनना चाहिए। चीन के साथ भी नेपाल का रुख व्यावहारिक और व्यापार आधारित रखने की बात उन्होंने कही। उन्होंने कहा कि नेपाल उत्तर और दक्षिण के रास्तों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं मानता, बल्कि दोनों दिशाओं को जोड़कर देश को लैंडलॉक्ड यानी भू-आबद्ध अर्थव्यवस्था से लैंड-लिंक्ड यानी जमीन के रास्ते से जुड़े आर्थिक केंद्र में बदलना चाहता है। खनाल के बयान से साफ है कि नेपाल भारत के साथ रिश्तों को व्यापार, ऊर्जा, संपर्क और विकास के क्षेत्रों में आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है। उनका कहना है कि राजनीतिक मतभेदों पर अधिक ध्यान देने के बजाय व्यावहारिक सहयोग के क्षेत्रों को मजबूत करना जरूरी है। भारत के साथ व्यापार और ऊर्जा सहयोग को नेपाल अपनी आर्थिक जरूरतों से जोड़कर देख रहा है। साथ ही चीन के साथ भी संपर्क और व्यापार बढ़ाने की नीति है। यानी काठमांडो दोनों पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रतिस्पर्धा के बजाय आर्थिक अवसरों के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

यूएन में बालेंद्र शाह का पहला भाषण: आपदा प्रबंधन पर दिया जोर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में एक साझा तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग बढ़ाने की अपील की। बालेंद्र शाह ने कहा कि इस तंत्र के जरिए तीनों देश उपग्रह से मिले आंकड़े और विशेषज्ञता साझा कर सकते हैं। साथ ही खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी और संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आए तो सीमाओं के पार राहत और सहायता के लिए समन्वय किया

जाना चाहिए। नेपाल के पीएम शाह ने कहा, 'हम नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में हिमालयी जलवायु के लिए तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हैं। इस तंत्र के जरिए उपग्रह डेटा और विशेषज्ञता साझा करें। खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी करें। संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करें। जब आपदा आए तो सीमाओं के पार सहायता का समन्वय करें। हिमालय खंडित सूचनाओं की सीमा के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बने।' विभिन्न देशों और संगठनों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, 'मैं बाढ़ के बाद हमारी सहायता के लिए आगे आने वाले सभी लोगों के प्रति नेपाल का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमारे तत्काल पड़ोसी भारत और चीन ने तेजी से और उदार सहायता प्रदान की। अन्य मित्र देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, मानवीय सहायता एजेंसियों, परोपकारी संगठनों और दुनिया भर के लोगों ने नेपाल का साथ दिया। उन सभी से मैं नेपाल की कृतज्ञ जनता की ओर से धन्यवाद कहता हूं।' उन्होंने कहा, 'भोटेकोशी-त्रिशूली आपदा केवल एक स्थानीय त्रासदी नहीं थी, यह दुनिया के लिए एक चेतावनी थी। मैं आज आपसे पूछता हूं: क्या हमने वास्तव में उस चेतावनी को सुना है? नेपाल के लिए जलवायु आपदा केवल मानवीय संकट नहीं, बल्कि विकास के लिए भी आपात स्थिति है।' शाह ने जलवायु परिवर्तन के लिए ऐतिहासिक रूप से अधिक जिम्मेदार और इससे निपटने की अधिक क्षमता रखने वाले देशों से ज्यादा जिम्मेदारी लेने की अपील की।

नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के एक महीने बाद भी 50 से ज्यादा यूक्रेनी लापता, परिवारों को जवाब का इंतजार

काठमांडू, एजेंसी। ओलेना कलिनिचेंको चीन से खरीदी गई गुलदाउदी की चाय अपने साथी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही थीं। उनके साथी ओलेस विसिच ने कहा, 'उन्होंने कहा था, जब मैं घर लौटूंगी तो हम चीनी फूलों से बनी चाय साथ में पिएंगे।' अब वह एक महीने से ओलेना की खबर का इंतजार कर रहे हैं। ओलेना और हजारों अन्य लोग नेपाल-चीन सीमा पर आई भीषण बाढ़ के दौरान लापता हो गए थे।

ओलेना की आखिरी ज्ञात लोकेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 22 मिनट पर एक सीमा चौकी से चीन से बाहर निकलते समय दर्ज हुई थी। इसके 15 मिनट बाद बाढ़ आ गई थी। 36 वर्षीय कलिनिचेंको उन 56 लोगों के समूह का हिस्सा थीं, जिनमें ज्यादातर यूक्रेनी नागरिक थे। यह समूह आध्यात्मिक प्रवास के लिए तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत गया था। इन परिवारों की स्थिति बताती है कि आपदा में लापता लोगों को बचाने, उनके शव बरामद करने और उनकी पहचान करने की प्रक्रिया कितनी जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। लापता लोगों की संख्या को देखते हुए इस प्रक्रिया में कई महीने लगने की संभावना है।

ये लोग घर लौटते समय चीन से नेपाल की ओर जाते हुए लापता हुए। कुछ रिश्तेदारों का कहना है कि उन्हें अधिकारियों से कोई जानकारी नहीं मिली है। चीनी सरकार ने कम से कम दो परिवारों को बताया है कि उनके रिश्तेदार बाढ़ आने से पहले ही चीन की सीमा से बाहर निकल गए थे। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है कि वे नेपाल पहुंचे थे या नहीं। नेपाल का आव्रजन परिसर और उससे जुड़े रिकॉर्ड बाढ़ में नष्ट हो गए हैं, जिससे लापता लोगों की आवाजाही की पुष्टि करना और भी मुश्किल हो गया है।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म - इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

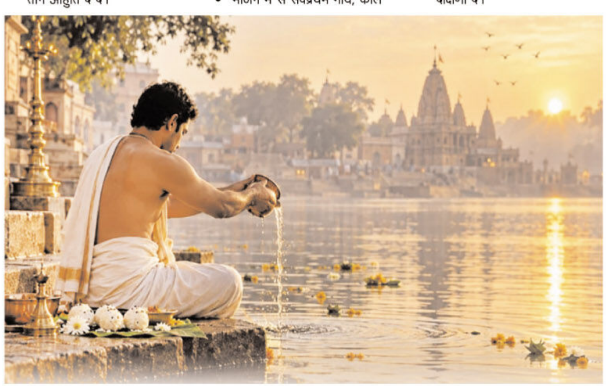

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम-

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान रखता है प्राचीन शहर गया

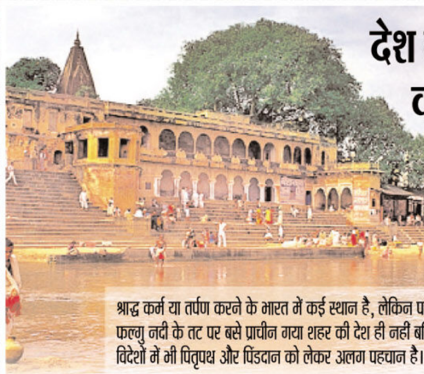

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अत: पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।